

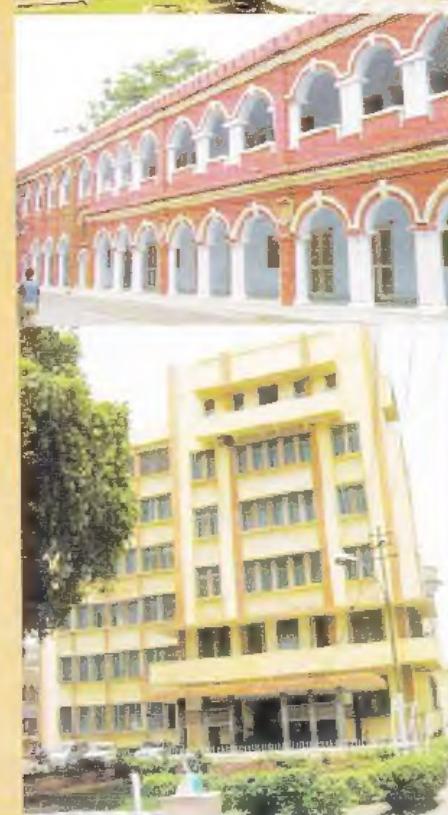
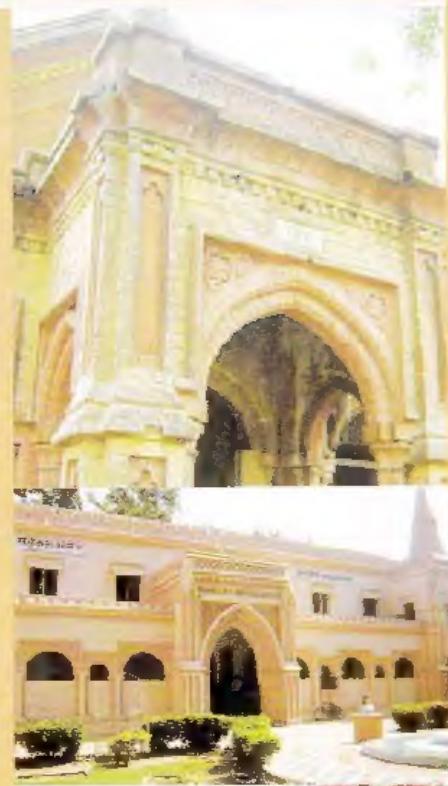
S.N. Medical College Agra

154 Years



SNMC

Commemoration
Volume
2008



S.N. Medical College

Agra



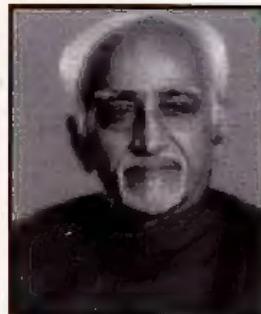
SNMC

154 Years

Commemoration Volume
2008



भारत के उपराष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी
OFFICER ON SPECIAL DUTY
TO THE VICE PRESIDENT OF INDIA
नई दिल्ली NEW DELHI-110 011
TEL : 23016422 / 23016344 FAX : 23012645



(Dr. Hamid Ansari)

MESSAGE

Hon'ble Vice President of India is glad to know that Sarojini Naidu Medical College, Agra is celebrating its 154th Anniversary and a commemoration volume is being brought out.

The Vice President extends his good wishes to the students, teachers and the staff and wishes the commemoration volume every success.

(P. HARISH)

New Delhi
21st November, 2007

टी. वी. राजेस्वर
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश



राज भवन
लखनऊ 227132



सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि सरोजनी नायडू
मेडिकल कालेज, आगरा द्वारा 154वीं वर्षगाँठ के अवसर पर एक
स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे आशा है कि सरोजनी नायडू मेडिकल कालेज इसी
प्रकार निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहते हुए उच्चकोटि के
चिकित्सकों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर चिकित्सा जगत में अपना
महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक
शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(टी०वी० राजेस्वर)

लालजी वर्मा

मंत्री

संसदीय कार्य, वित्त एवं
चिकित्सा शिक्षा



मुख्य भवन, कक्ष संख्या-21/22
उ.प्र. संविधानसभा, लखनऊ
कार्यालय : 0522-2239662
फैसला : 3383
आवास : 0522-2238917
2237500

दिनांक 26.10.08

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि एसओएनओ मेडिकल कालेज, आगरा के 154 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष में आपके द्वारा स्मारिका प्रकाशित किया जा रहा है। जिसमें इस चिकित्सा महाविद्यालय का सम्पूर्ण इतिहास सम्मिलित किया जा रहा है।

मुझे आशा एवं विश्वास है कि आपके मार्ग निर्देशन में चिकित्सा महाविद्यालय की गौरव-गरिमा उत्तरोत्तर वृद्धि करेगी।

शुभकामनाओं सहित।

(लालजी वर्मा)

डा० एन०सी० प्रजापति,
प्रधानाचार्य,
एस०एन० मेडिकल कालेज,
आगरा।

हरमजन सिंह

आईएएस०

संघिव



११७।
२०।१०।९००४

अद्वैतापत्रसं-१५/पत्र०८८६८०/२००८

दूरभाष : (0522) 2616648 (कार्यालय)

विकित्सा शिक्षा विभाग

उत्तर प्रदेश शासन

कक्ष सं० ३०६-३०९ तृतीय लल

विकास भवन, संघिवालय, लखनऊ

दिनांक : 15.10.2008



सन्देश

सरोजिनी नायडू मेडिकल कालेज, आगरा का सन् 1854 से अपनी यात्रा प्रारम्भ करते हुए आज उस मुकाम पर आ पहुंचा है जहाँ इसकी गणना देश की उच्च स्तरीय संस्थाओं में होती है वर्तमान की आवश्यकताओं को देखते हुए शासन स्तर पर पूर्ण सहयोग देते हुए यह प्रयास किया जाएगा कि यह संस्थान आधुनिकतम तकनीक के साथ-साथ अपनी सम्पूर्ण क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए अपनी ऐतिहासिक एवं सामाजिक परम्पराओं का पालन करते हुए अपने नए आयामों को प्राप्त करेगा।

अतः मैं संस्थान में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा करता हूँ कि वह व्यवहार एवं गुणवत्ता को बनाए रखते हुए इस संस्था को अनछुए शिखर पर ले जायेंगे, मैं इस संस्था की प्रकाशित होने वाली स्मारिका के प्रति अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

भवदीय,

२५

(हरमजन सिंह)

डा. एम.सी. शर्मा

महानिदेशक



अर्धशा.पत्र.सं.....
चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, ड.प्र.
६ वाँ तल, जवाहर भवन, लखनऊ
दूरभाष: 2287653, 2286652, 2287193

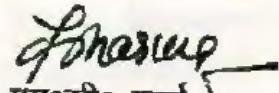
दिनांक: 28-12-2007



सन्देश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सरोजनी नायदू मेडिकल कालेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय, आगरा आज अपनी 154वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। सरोजनी नायदू मेडिकल कालेज, आगरा का अतीत अत्यन्त गौरवशाली रहा है। अपनी स्थापना के समय यह देश के तीन चिकित्सा विद्यालयों में से एक था। वर्तमान समय में एस0एन0 मेडिकल कालेज, आगरा द्वारा सुयोग्य, कुशल एवं होनहार चिकित्सक उत्तीर्ण होकर देश में चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी योग्यतम सेवायें उपलब्ध कराने हेतु उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

मैं सरोजनी नायदू मेडिकल कालेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय, आगरा की 154 वीं वर्षगांठ की सफलता हेतु बधाई देता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि आपका यह समारोह सफल रहे।


(एम०सी० शर्मा)

डा० एन०सी० प्रजापति,
प्रधानाचार्य,
सरोजनी नायदू मेडिकल कालेज
एवं सम्बद्ध चिकित्सालय,
आगरा।



अ० शा० पश्च सं०

दृष्टाव॑ : 2261000
2363343

पुलिस उप महानियोक्तक
बागरा परिक्षेत्र, बागरा (उ० प०)
DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE
AGRA RANGE, AGRA (U. P.)

दिनांक : बागरा :

कमल सकसैना,
आईपीओएस०

:: शुभकामना सन्देश ::

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सरोजनीय मेडिकल, कॉलेज एवं
सम्बद्ध चिकित्सालय, आगरा को 154वीं वर्षगोठ के अवसर पर आपकी संस्था
द्वारा मैगजीन का प्रकाशन किया जाना निश्चित है। मुझे विश्वास है कि यह
मैगजीन जनमानस के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इसके लिए आपको मेरी ओर
से हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवदीय

Om शं
(कमल सकसैना) २५.१.४७

डॉ० एन०सी० प्रजापति,
प्रधानाचार्य,
एम०एन०एम०सी०,
आगरा।

सरोजिनी नायडू मेडीकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, आगरा

प्रोफेसर (डा.) एन.सी. प्रजापति

एम.बी.बी.एस., एम.डी.

प्रधानाचार्य/संस्थापक/चिकित्सालय प्रमुख
आचार्य बालरोग विभाग



फोन नं. : 0562-2260353
फैक्स (कार्यालय) : 0562-2260965
पोब्लिक नं. : 9412014750
फोन नं. : 0562-2603939
वेबसाइट : www.snmcagra.in
ई-मेल : dmcprajapati@hotmail.com



सन्देश

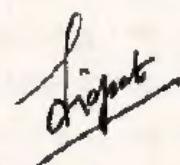
सरोजिनी नायडू मेडिकल कालेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय, आगरा के 154 वर्ष पूर्ण होने पर कालेज पत्रिका के प्रकाशन के लिए सम्पादक मण्डल को मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए अपना कर्तव्य समझता हूँ कि मैं इस संस्था के पुरातन इतिहास सहित वर्तमान उपलब्धियों के बारे में भी आपको अवगत कराऊँ। यह महाविद्यालय एक मेडिकल स्कूल के रूप में सन् 1854 में भारतीय सेना को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए स्थापित हुआ था। सन् 1872 में सामान्य नागरिक भी एल.एम.पी. डिप्लोमा जो बाद में एल.एस.एम.एफ. में परिवर्तित कर दिया गया, के लिए भर्ती किये जाने लगे। स्कूल की महिला शाखा निकटवर्ती लेडी लॉयल अस्पताल (जिला महिला चिकित्सालय, आगरा) में थी। कालान्तर में प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा तथा रोगी उपचार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 1939 में इस मेडिकल स्कूल को एम.बी.बी.एस. की उपाधि के लिए महाविद्यालय के रूप में आगरा विश्वविद्यालय (वर्तमान डा. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध किया गया। तब से अब तक यह महाविद्यालय चिकित्सा शिक्षा, शोध कार्य एवं रोगी उपचार का केन्द्र बन गया है। एम.बी.बी.एस. के अतिरिक्त इस कालेज में विभिन्न विषयों एवं विशिष्टताओं में स्नातकोत्तर उपाधियाँ जैसे एम.डी., एम.एस., पी.एच.डी. तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमाओं के

लिए सक्रिय प्रशिक्षण दिया जाता है। हमारी लगभग सभी उपाधियाँ भारतीय चिकित्सा परिषद् (एम.सी.आई.) द्वारा मान्य हैं।

तत्कालीन थामसन अस्पताल, स्वतन्त्रता के बाद भारत कोकिला श्रीमती सरोजिनी नायडू के नाम पर सरोजिनी नायडू मेडिकल कालेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय के नाम से जाना जाता है। इस कालेज के विद्यार्थियों की प्रायोगात्मक एवं रोगी उपचार चिकित्सा के लिए प्रयोग किया जाता है। सन् 1942-43 में इस चिकित्सालय को लगभग 400 पलंग थे, जो अब धीरे-धीरे बढ़कर 976 हो गये हैं, परन्तु आगरा शहर, आसपास के जिले, जिनसे केवल उत्तर प्रदेश के जिले ही नहीं वरन् सभी पर्वती प्रदेशों के जिले भी सम्मिलित हैं, के लिए यह पलंग संख्या भी पर्याप्त नहीं है। वर्तमान में अनेकों विषयों में विशिष्टताओं का भी अजन हुआ है, इस स्थिति में भी पलंगों की संख्या बढ़ायी जानी आवश्यक है।

मैंने इस गौरवमयी पुरातन संस्था के 42वें प्रधानाचार्य/संकायाध्यक्ष के रूप में वर्ष 2007 में कार्यभार ग्रहण किया है। मुझे इस संस्था की सेवा करते हुए अत्यन्त गर्व का भान है क्योंकि इस संरथा के जो भी प्रधानाचार्य रहे हैं, वह प्रधानाचार्य पद के बाद उच्चासीन पदों पर तैनात होते रहे हैं, जिनमें से डा. पी.एन. वाही, प्रधानाचार्य पद के बाद आई.सी.एम.आर. के अध्यक्ष, डा. एस.एस. मिश्रा, प्रधानाचार्य पद के बाद महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, डा. वी.बी. सहाय, प्रधानाचार्य पद के बाद महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, डा. हरि गौतम प्रधानाचार्य पद के बाद कुलपति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, अध्यक्ष, यूनिवर्सिटी ग्रान्ट कमीशन (यू.जी.सी.), छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति रहे हैं तथा डा. देवकी नन्दन, प्रधानाचार्य पद के बाद निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में पदासीन हैं।

वर्तमान में मेरा प्रयास रहेगा कि हमारा संस्थान अपनी पुरानी गरिमा को हासिल करने के साथ-साथ और नये आयामों को हासिल करे। मुझे पूरा विश्वास है कि इस प्रयास में सब लोगों का सहयोग मुझे मिलता रहेगा।



(एन. सी. प्रजापति)



From the editors desk.....



The College completed 150 years of its existence in 2004. It was initially in that year that the then Principal, Dr. Deoki Nandan, conceived the idea of bringing out the commemoration volume of a College magazine to mark the occasion. Prof. Arun Nagrath was assigned the onerous task to mobilize all material on this. Prof. Nagrath did tremendous hard work on this and collected a huge amount of material. Some of this was based on the writings of the late Prof. Dr. IP Elhence. Subsequently when Prof. Prajapati took over as Principal it fell upon us to edit the material so meticulously and tirelessly collected by Prof. Nagrath. We have tried to do this with some earnestness.

Each institution, like each individual, has ups and downs in life. We have tried to project the history of this old institution in all fairness to its greatness. Greatness because it has attained greatness. It has produced men and women who have done the country and the medical community proud nationally and internationally. But our greatest salute is reserved for those humble, self effacing persons who have worked and served the society tirelessly even in those corners of the world where none dares to reach. They have done so without ever trying to come in the limelight. We have no list of the names of such persons and their number is far too big and important than those whose names figure in this volume. To them goes the ultimate credit of justifying the existence of this temple of service. This volume is dedicated to them.

The volume has many aspects - the revered old persons whose names stand inscribed here, the history as it evolved over the years, the college anthem which evokes our pride, the achievements and contribution of different departments of the college and their present setup. Its ends up appropriately with what is latest in today's jargon the college website (courtesy our webmaster Dr. Mukesh Chandra).

We have been helped immensely in this endeavor by the timely inputs of the head of departments, the critical views of Dr. Govind Mohan and of course the guidance of Dr. N C Prajapati. The photographs are by Dr. M.A. Sivamanikandan. This volume is a result of the joint efforts of all.

Ajay Kalra

03 November, 2008

Priyamvada Sharma

एस. एन. गान

लेखक - डा. के. के. पूर्णी
संगीत - डॉ. बरुन सरकार

एस.एन. मेरा अद्भुत सुन्दर है। एस.एन. मेरा सबसे प्यारा
शुश्रृत भर्त हरि का मन्दिर हिष्पोक्रेट का गलियारा

सरस्वती की ज्योति यही है ज्ञान श्रोत भण्डार यही
वृजमण्डल का धाम नियाला सब के हित का स्वयंवाला
जब मानस को दे अजियारा एस.एन. मेरा सबसे प्यारा
एस.एन. मेरा अद्भुत सुन्दर है.....

दूर-दूर तक इसकी गाथा महिमा का कोई पाठ न पाता
इस पर नत मस्तक हो करता जीवन ज्योति अलअ वो करता
इसका पक्षी कही न हारा एस.एन. मेरा सबसे प्यारा
एस.एन. मेरा अद्भुत सुन्दर है.....

सांस का हर सुन्नन हो इसके लिए जिन्दगी भी हवन हो इसके लिये
कह रही बरसों से सारी पीढ़ियाँ ये हमारा नमन तो इसके लिये
इस पर बलि बलि जीवन सारा एस.एन. मेरा सबसे प्यारा
एस.एन. मेरा अद्भुत सुन्दर है.....

प्रेरणायों की सदा से जब्मभूमि यह बनी है कर्म से प्रेरित सभी की यह तपोभूमि बनी है
इसके प्रांगण में छिले हैं फूल हर उन्माद के, युग युग से ही दिये हैं संदेश प्रेम प्रकार के
इसका यौवन कभी न हारा एस.एन. मेरा सबसे प्यारा

सुबह की लाली का गंजर इसकी रंगत का निखार
फूल बरसाये हवा में जैसे शाखें हर सिंगार
हर बुलब्दी के निकट होने का सबब देता है ये
नित नई शब्दों से और विश्वास से
रोज हम आगे बढ़ेंगे सूर्य के सत्कार से
एस.एन. मेरा अद्भुत सुन्दर है.....



The Changing Face of S.N. Medical College, Agra

"Old Order Changeth, Yielding place to New"

These immortal lines constitute the basis of all the change that takes places around us and applies so befittingly to our institution, which was once a Medical School since 1854 and is now a Medical College, having successfully completed more than 150 years of its useful existence. Teachers of Medical School days were largely British Army officers. These earlier teachers, who were pillars of knowledge and experience and devoted researchers, after having taught and trained so many, so long and so well, handed over the reigns to the newer generation to take over and carry on. "Made in Agra" became the hallmark of professional ability of Agra Medical College students.

(I) AGRA MEDICAL SCHOOL :

The Agra Medical School was one of the first three Medical Schools of our country. It was in the year 1854 that the Institution was started for the benefit of military personnel. The founder of the School was Lt. Governor Sir James Thomson and the medical school was named after him. The plans of the school were first made by East India Company and the maintenance cost was also borne by it. The purpose of the school was to mainly produce medical assistants, training the doctors of Indian Army and to look after the health of Military personnel. From 1872 onwards, civilian students were admitted to the LMP course which was later changed to LSMF by the U.P. State Medical Faculty.

The Medical School in those early days used to be a modest setup. Senior Army Officers were appointed as teachers and principals of the Medical School. The first Principal of the School was Surgeon John Murray (1854-58) and the rest of the staff of the school consisted of two European Assistant Surgeons and two Indian Sub-assistant Surgeons. The School buildings in those days bore the imprint of British architecture. The school was started with a set of two buildings, one of which was used for Medicine, Surgery and Eye wards but later on it was exclusively used as Medical wards. The other building was used as the Administrative office and outdoor dispensary. This part of the building was later on used as the Physiology Department, Lecture Theatre and Hospital Superintendent's office. In the late nineteen sixties, this building was demolished and replaced by a seven storeyed block which today accommodates all the pre and para clinical departments and the Examination hall in the basement.

Some of the old buildings of medical school days still exist even today, as reminiscent of British architecture but a large number of newer constructions have come up giving the institution an entirely new hybrid look.

The course of studies in those days consisted of three years training in Anatomy, Materia Medica, Chemistry, Botany, Medicine, Surgery and Mid-wifery. The first batch of Indian doctors passed out from the Medical School in 1857, at a time when India was vigorously engaged in its struggle of freedom. In those days students were kept under very strict disciplinary control. Admission to the Medical School was on the basis of an interview and only those students were admitted who had completed one year's apprenticeship in the school dispensary or in regimental medical section. These rules of admission were practiced from 1865 to 1878. During this period the Thomson Hospital underwent some expansion. Two lecture theatres, a dissection hall and a museum were added.

In 1883 a separate section for the training of lady students was established at the Lady Lyall Duffern Hospital and the first batch of four female students was admitted. This arrangement was abolished in 1942 when it was amalgamated with the Medical College. With further expansion of the medical school and Thomson Hospital, additional wards, outpatient's department and operation theatres were added to the hospital building complex. These new wards were named after the names of the Principals of those times. Hilson ward was added in the year 1886. It was so named after the name of Lt. Col. A.J. Hilson who was Principal of the Medical School from 1876-1887. Allround expansion of the school took place in 1892 when a new operation theatre (near the Peepalwala gate), outpatients block (present OPD) and Willcox ward (now closed down due to safety reasons) were added to the hospital building.

During the years 1904 to 1906 further expansion of the school building was done. Lukis ward, old Pathology Department building was built in 1906 and the old dissection hall was added. The old Pathology department still exists today in the college complex, it is by the side of the lawn behind the seven storeyed pre and para-clinical block adjoining the Hospital Road market. Part of this building complex accommodated the Pharmacology and Materia Medica Department till about the end of nineteen sixties and thereafter till today, it has been the Pharmacy department.

The total number of students at that time in the Agra Medica School was 300 with 80 lady students in the Lady Lyall Hospital. The minimum qualification for admission was school leaving certificate.

PRINCIPALS OF THE AGRA MEDICAL SCHOOL :

Following is the list of succeeding Principals of Agra Medical School from its cradle upwards-

- | | |
|-----------------------------------|---------|
| 1. Surgeon John Murray, IMS., | 1954-58 |
| 2. Surgeon G.R. Playfair, IMS., | 1958-68 |
| 3. Maj. A. Christinson, IMS., | 1968 76 |
| 4. Lt. Col. A.J. Hilson, IMS., | 1976-87 |
| 5. Lt. Col. A.J. Willcocks, IMS., | 1987 97 |



6.	Lt. Col. C.P. Lukis, IMS.,	1997-99, 1902-05
7.	Lt. Col. J. Anderson, IMS.,	1899-1902
8.	Maj. G.T. Birdwood, IMS.,	1905-09
9.	Maj. H Austin Smith, IMS.,	1909-12
10.	Lt. Col. E.J. O'Meara OBE, IMS.,	1912-20
11.	Lt. Col. A.W.R. Cochrane, IMS.,	1920-21
12.	Maj. M.A. Rehman, IMS.,	1921-28
13.	Lt. Col. R.C. Mc Watters, IMS.,	1928-29
14.	Lt. Col. A. Cameron OBE, IMS.,	1929-30
15.	Capt. D.P. Bhargava, IMS.,	1930-32
16.	Rai Bahadur Dr. R.S. Srivastava, PMS.,	1932-35
17.	Lt. Col. J.C. Bharucha, IMS.,	1935-41
18.	Maj. Gen. H.C. Buckley	1941-46

STUDENT HOSTELS OF THE MEDICAL SCHOOL :

The male students of Agra Medical School were accommodated in the Boys Hostel whose building existed near the Thomson Hospital (adjoining Moti Katra Shops). The boys hostel (Senior Boys Hostel today) was constructed in the year 1905. It consisted of a double storeyed residential wing, spacious play ground and a tin-thatched gymnasium. The residential part of the hostel consisted of a Hindu wing and a Muslim wing. The Hindu wing had a temple in it and the Muslim wing had a mosque in its campus. Both Hindu and Muslim students shared rooms in both wings of the hostel. In the beginning there was no electricity supply in the hostel. The Hostel was lit by large kerosene oil lamps which were hung from the ceiling at definite strategic points of the hostel building.

(II) S.N. MEDICAL COLLEGE, AGRA :

With a view to meet the growing demands of qualified doctors in the state the status of Agra Medical School was upgraded in the year 1939 to that of a full fledged Medical College for the award of M.B.B.S. degree. The medical College was affiliated to the Agra University. Smt. Vijay Laxmi Pandit was the Health Minister of U.P. and Col. J.C. Bharucha was the Principal at the time of this change over.

In 1947, the Medical College was named as Sarojini Naidu Medical College after the name of first Lady Governor of U.P. Smt. Dr. Sarojini Na du. The name of Thomson Hospital was changed to Sarojini Naidu Hospital after attainment of Independence in August 1947.

Initially the number of yearly admissions to the M.B.B.S. course was 50 including 10 female students. The S.N. Medical College was recognised by Medical Council of India in 1948 and by the General Medical Council of Great Britain later on. The first batch of M.B.B.S. doctors passed out in the year 1944. In 1940, the new entrants for

the M.B.B.S. course paid a fee of Rs. 120.00 yearly as the hostel rent. The combined tuition and hoste. fees was subsequently raised to Rs. 420.00 yearly. Since 1963, the number of yearly admissions had been raised to 128. Keeping in view the rising cost of living the yearly fees has been raised to Rs. 18,000/- today and the hostel fees is Rs. 2400/- per year The first year P.G. students pay Rs. 22,000/- and second year P.Gs. pay Rs. 16,000/- yearly

Upto mid nineteen sixties the students were admitted to the Medical College after qualifying in the Pre-Medical test which consisted of exam in Physics, Chemistry, Botany and Zoology, the minimum qualification for taking the Pre medica. Test was Intermediate Exam with Science and Biology. There were five descriptive questions in each paper of 3 hours duration and the assessment of the answer books manually was done. The number of students admitted each year was 100 and the college session started in August each year. The MBBS course spanned over 5 years, the distribution of subjects, yearwise, was as follows :

- | | | |
|--------------------|---|---|
| First year | : | Anatomy, Physiology and Biochemistry exam. at the end of year was Home Examination at college level. |
| Second Year | : | Anatomy, Physiology and Biochemistry exam. at the end of year was first University Exam. |
| Third Year | : | Only Pharmacology and Materia Medica, second University Exam. at the end of the year. |
| Fourth Year | : | Pathology, Medical Jurisprudence, Hygiene and Public Health, third University Exam. at the end of the year. |
| Fifth Year | : | Medicine, Surgery, Ophthalmology, Obst. & Gynaecology, (Final Prof.) University Exam. |

After passing the Final Prof. exam., doctors were appointed as House Officers for one year according to their Merit and Subject choice. There was no "Compulsory Rotating Internship Training Programme" in those days. There was no college level or state level competitive examination for admission to the various P.G. courses. The basis of selection was MBBS merit and work efficiency during House Job. After completing an year of House Job, residency appointments (RSO's, RMOs and Clinical Tutors/Demonstrators) were given for 2 years at the completion of which they were eligible for appearing in various P.G. Exams. There were no Senior Residents posts then.

In the later years (late 1960's onwards) with the establishment of newer medical colleges at Kanpur, Alahabad, Meerut, Gorakhpur and Jhansi, the college level PMT was replaced by CPMT (Combined Pre-Medical Test). The placement of students was done on the basis of merit at CPMT and choice of Medical College.

From 1964, the original 5 years MBBS course was reduced to 4½ years. The course was divided into three Professional Exams :



First Prof. Exam.	:	Anatomy, Physiology, Biochemistry	1½ years (3 semesters)
Second Prof. Exam.	:	Pathology, Forensic Medicine, Pharmacology, S.P.M.	1½ years
Final Prof. Exam.	:	Medicine Surgery, Obst. & Gynaecology (Paediatrics part of Medicine and Ophtha. part of Surgery)	1½ years (semesters 7-9)

After the first Professional Examination the students were posted in wards for clinical teaching in different disciplines

According to the MCI ruling of 1997 the MBBS course remained of 4½ years but the allotment of time for all the three professional exams. was revised as per the following scheme

- ✓ 1st Prof. Exam. in Anatomy, Physiology and Biochemistry was allotted 1 year.
 - ✓ 2nd Prof. Exam. in Pathology, Jurisprudence, Pharmacology and Microbiology was allotted 1½ years.
 - ✓ 3rd Prof. Exam. was divided into Part I and II and was allotted 2 years.
- Part I** : Consisted of exam in ENT, Ophthalmology and SPM and time allotted was 1 year.
- Part II** : Consisted of exam in Medicine, Surgery, Obstetrics & Gynaecology and Paediatrics and time allotted was 1 year.

According to MCI ruling Oct. 2003 obtaining 35% marks was essential in the internal assessment in a particular subject for a candidate to be eligible to appear in the final University Exam of that subject. This was an amendment of MCI regulation of 1977 in which 50% marks were essential in internal assessment.

As years further rolled by more Surgical wards were added to the school building. To name a few, these wards were Omeara ward, Cochrane ward, Birdwood ward, Anderson ward, Austin Smith ward and Rehman ward. By reviewing the photographs of the school and hospital in those days it appears that the garden around the hospital building was very tastefully maintained. In those times wards were looked after mostly by European and Anglo-Indian nurses who worked very efficiently and kept the ward immaculately clean. In those days discipline was "key note of nursing".

There also used to be a single storeyed centrally situated building with curved arches and minarets. This building initially acted as the examination hall and a place for holding the annual medical school functions. Subsequently it was utilised as the Medical School Library. This building even today houses the Central Library of the Medical College, after having undergone some changes. Today this Central Library building stands sandwiched between the new multi-storeyed paraclinical block and the new Surgical Block building.

FURTHER EXPANSION OF COLLEGE BUILDINGS :

Construction of Mathura Dass Padam Chand Jain Eye Hospital Building was started in 1942. The foundation stone was laid by Sir Maurice Garnier Halett, Governor of United Provinces and Oudh on Feb. 2, 1942. This was a spacious double storeyed building which initially accommodated, eye patients, paediatric patients, general medical beds and the male students ward. After the construction of new Paediatrics Deptt. and Medicine Deptt. buildings in and around 1971, this building today accommodates the Department of Ophthalmology and the Nurses sick room. The front left ground floor wing had been given in late nineties to State Bank of India for handling the accounts of students, staff and employees of the college.

As the needs of the college grew, some of the old buildings were demolished and new Surgical, Medical and para-clinical blocks, parts of Paediatric department and Obst. & Gynaecology departments were constructed. Due to paucity of space for horizontal expansion, these newer constructions were crammed together in the form of tall, multistoreyed buildings. During the First Five year plan period Govind Ballabh Pant Hostel for junior medical students (first and second year boys) was constructed on a plot of land opposite Subhash Park, a location about one km. away from college. Students are living in this hostel from 1956. Additional wings to the Pant Hostel were added during the second five year plan period and again in 1988.

During the Second Five Year Plan a three storeyed Central Building was constructed and commissioned into use in 1960. This building initially housed Pathology department Radiology and Radiotherapy department in the ground floor, Surgery department in middle floor and Medicine and Orthopaedics department in 2nd floor. Today this central three storeyed building is known as the "Surgical Block" and it accommodates on the ground floor the departments of Radiology, Anaesthesiology, Urology operation theatre and ward, Emergency operation theatre, central sterilisation unit, and Lecture theatre No. 3. The middle floor of this Surgical Building accommodates the General Surgical beds and the Plastic Burns Unit. The second floor is accommodating the entire Orthopaedic department, ENT department and department of Cardio-thoracic surgery. Also during the Second Five year Plan, 112 bedded new private ward block was added to the hospital.

During this phase of expansion, a new double storeyed postgraduate hostel block was constructed in the "Dhobi Ghat" campus adjoining the S.B. Hostel play ground for accommodating male resident doctors. After some years this hostel catered to the married resident doctors. Almost at the same time period a double storeyed P.G. hostel for lady doctors was constructed adjoining the old girl's medical hostel.

In 1957, Neuro-Psychiatry Unit was started as part of Department of Medicine and Physiotherapy section began as part of Orthopaedic Department. DCH and DOMS diplomas were started the same year. The first batch of M.D. / M.S. students passed out in 1948. In 1961 Paediatrics was separated from Medicine. Prof. R.S. Daya, took over as the first Head of the Deptt. of Paediatrics. A new multistoreyed building for the Department of Paediatrics was constructed in 1964.



A new triple storeyed wing was added to the boys hostel behind the old wing in 1966-67. The foundation stone was laid in March 1966 by Sri Dal Dayal Khanna, the then Health Minister of U.P. Two new dining halls were subsequently added to the hostel. The clinical side students (IIIrd year onwards) and the Interns lived in this hostel. The gymnasium of the Boys Hostel was renovated and converted to a closed Badminton Hall in 1988-89.

The Department of Medicine was upgraded in the year 1972, and a new three storeyed building was constructed in place of European wards (Birdwood and Austin Smith wards). The foundation of this building was laid on Sept. 4, 1971 by Smt. Dr. Rajendra Kumar Bajpai, Minister of Health, U.P. Today this building accommodates General Medicine beds, I.C.U., and Haemodialysis unit which was started in 1974.

The Nuclear Medicine and RIA unit was started under the Department of Medicine in 1974. This unit is occupying part of the O'Meara ward and the attached old Orthopaedic theatre. Gamma Camera was added to this unit in the year 1995. Orthopaedic Department was separated from Surgery department in 1973.

During the year 1987, four specialities separated from the Department of Medicine. These were : Cardiology, Dermatology, Psychiatry, Tuberculosis and Chest diseases. These are working as independent departments since 1987. The Department of Cardiology is working in the building of old Heart Clinic which was constructed in 1943 and a new single storey building opposite the old Heart Clinic. These buildings accommodate Cardiology OPD, indoor patients, ICCU and TMT Lab.

For a long time the Emergency department of S.N. Hospital, Agra functioned in the outdoor block building. The Emergency department was shifted to the new building adjacent to the Lady Lyall Hospital in April, 2004. The new emergency is more spacious, has three Emergency OTs., an observation ward, facility of urgent X-ray, Ultrasound & ECG and facilities for shifting the patients to old Hospital complex. The medical legal work is handled by three PMS officers on 8 hourly duty. The Departments of Neuropsychiatry, Dentistry and Dermatology were accommodated in the vacated Emergency block after suitably modifying in July 2004. In 1993, the old Cochrane ward was rechristened as S.P. Srivastava ward (now called Tetanus ward) in the memory of Dr. S.P. Srivastava, Former Professor and H.O.D. of Surgery of this college. The Department of Obstetrics & Gynaecology is still occupying the old buildings though lots of new constructions have been added to the existing building. A new labour room and 20 bedded ward was constructed whose foundation stone was laid on Oct. 2, 1972 by Sri Deoki Nandan Vibhav, the Transport Minister of U.P. This section of the Deptt. started functioning a few years later.

The College has 24 Departments of Medical specialities. Departments of Medicine, Anatomy and Pathology were upgraded by the Central Government in the year 1972 and 1973, respectively.

Today M.S. and M.D. courses are available in all subjects except E.N.T., thoracic surgery and Cardiology. This is one of the few institutions which are recognised for Ph.D. in

subjects like Anatomy, Physiology, Pharmacology, Biochemistry, Pathology, Surgery and Orthopaedics.

The college is today awarding the following diplomas : DCH, DOMS, DMR & E, DTCD, DVD., D.A., D. Orths., DCP DLO and DGO. The National Board of Examinations has recognised Deptts of Surgery, Medicine and Pathology of this college for conducting the examination of DNB in these subjects. Facilities for teaching and training the paramedical specialities are also available at the college. These include Diploma in Laboratory Technology, Pharmacy.

School of Nursing was started in the year 1978. A new building of the School of Nursing was constructed opposite the existing Nurses Hostel. This school is awarding 3 years General Nursing Diploma which is recognised by Indian Nursing Council and International Council of Nursing.

The Blood Bank of the College under Department of Pathology has all the modern blood banking facilities. The Blood component separating machine was commissioned in the year 1997. Availability of blood is only on exchange basis. Blood donation by professional donors against payment was stopped by Govt. in the year 1995.

The college has a separate Department of Microbiology. It separated from the Department of Pathology in the year 1987.

Experimental Surgical Station existed and functioned in an old building in the "Dhobi Ghat Campus" under the Department of Surgery. Experimental Surgery on dogs and rabbits was carried out in this section. In late nineteen sixties this experimental unit was shifted to another building near the Central Hospital stores (this building originally was occupied by Radiology and Deep X-ray therapy department). This unit was renamed as the Experimental Surgical and Medical Station in 1958-59. Research work on guinea pigs and mice was started by the staff of Medicine Deptt. The well known work on "Cholesterol lowering effect of Bengal Gram in mice" under Prof. K.S. Mathur, originated in this unit. For the past about 8 years no work is being done on experimental animals.

GAMES, SPORTS AND OTHER CULTURAL ACTIVITIES :

The Medical College had fine tennis lawns in Agra by the side of the old Pathology building. Staff and students used to play regularly. Football, Hockey, Cricket and Badminton shield matches were organised every year between the Medical College teams and Agra College, St. John's College and B.R. College (now RBS College) teams. A festival cricket match between staff and students was a regular annual feature. "Basant Panchami" function was celebrated with great reverence by the students. "Saraswati Puja" was religiously done by all the students to have the blessings of the Goddess of Learning and "Saraswati Visarjan" was performed by them in the river Yamuna at the Hathi Ghat.

The "Janamasthami function" of the Medical college was eagerly awaited and remembered not only by all in the college but also by public of Agra. The Janamasthami function marked the end of so called ragging on the 1st year students. "Saraswati Puja" and Janamasthami continue to be celebrated even today.

In earlier days, final year students from K G's Medical College, Lucknow, came to Agra once a year to attend Mental Hospital Psychiatry training. All of them stayed in the S.B. Hostel/Girls' Hostel at Agra. On the last day of their visit a 'Shaer aur Sharree Mehfi,' used to be organised during which the students of both colleges tried to excel and out beat each other. With opening of Psychiatry Unit at Medical College, Lucknow, this interesting event was discontinued.

Annual elections of the Students's Union of the college used to be a sight to behold. The prospective candidates for various posts along with their supporters would go to the Ladies Hostel for canvassing in all kinds of fancy dresses. The elected office bearers of the students union worked for the betterment of living, working and learning facilities in the college and hostels for the students. Today there is no Students Union. Perhaps its place has been taken over by JDA since the late sixties.

The first year new comers to the college were christened 'Panchis' by the senior students and were ragged gentlemanly. Ragging, in a way was done to educate the new comers to respect the seniors and to make them conversant with the medical college traditions. But now ragging is not allowed.

TEACHER AND TAUGHT RELATIONSHIP :

The relationship between the staff and students in the earlier days was at the highest citadel. The students showed utmost respect to the teachers and worked together in a most congenial atmosphere. The teachers, besides imparting knowledge, also acted as panacea for all the students problems. The teachers taught painstakingly, students studied tirelessly and employees worked selflessly. The students gave due respect to the seniors making the work culture unique in the medical college. This culture continues even today.

- Adapted from the writings of Dr. J.P. Eshence



Sarojini Naidu

The Nightingale of India



Sarojini Naidu, the eldest daughter of scientist-philosopher, Aghornath Chattopadhyaya and Barada Sundari Devi (a poetess) was born on 13 February 1879 in Hyderabad. Her father was also a linguist, a crusader, who established the Nizam's College in Hyderabad in 1878 and pioneered English and women's education. She studied at the King's College, London and Girton College, Cambridge. Her ability to sing charmingly fetched her the title 'Nightingale of India'.

She began her political career in 1906. After 1917 she stepped into active politics. During 1903-17 Sarojini Naidu came into contact with Gokhale, Tagore, Jinnah, Annie Besant, C.P. Rama Swami Iyer, Gandhi and Nehru. From 1915 to 1918 she lectured all over India on welfare of youth, dignity of labour, women's emancipation and nationalism. After meeting Jawaharlal Nehru in 1916, she took up the cause of the indigo workers of Champaran. In 1925 she was elected as the President of the Congress.

Sarojini Naidu actively campaigned for the Montgomery - Chelmsford Reforms, the Khilafat issue, the Rowlatt Act, the Sabarmati Pact, the Satyagraha Pledge and the Civil Disobedience movement. She was the first woman Governor of UP. Her Presidentship of the Asian Relations conference in 1947 was remarkable.

Sarojini Naidu also led an active literary life and attracted Indian intellectuals to her salon in Mumbai. Her first volume of poetry 'The Golden Threshold' (1905) was followed by the 'Bird of Time' (1912). In 1914 she was elected a Fellow of the Royal Society of Literature. Her collected poems, all of which she wrote in English, have been published under the titles "The Sceptred Flute" (1928) and the "Feather of the Dawn" (1961).

On March 2, 1949 she died in office at Lucknow at the age of seventy.

Department of Anatomy

Department of Anatomy is one of the oldest Departments of this institution, dating back to 1854, when S.N. Medical College was St. Thomas Medica School.

List of the Head of the Departments :

- | | |
|--------------------|---------------------|
| 1. Dr. S.P. Jain | 5. Dr. C.D. Gupta |
| 2. Dr. P.L. Shukla | 6. Dr. A.K. Arora |
| 3. Dr. K.B. Singh | 7. Dr. Anil Agrawal |
| 4. Dr. G.N. Kacker | 8. Dr. Dharam Singh |

MS Anatomy is one of the first post graduate degrees recognised by MCI of this college. The department admits two postgraduate every year. Besides, Ph.D. students are also registered.

The department is rich with various embryological models like chickembryo, cast specimens of various organs like, liver, spleen, kidney, coronary system in the museum. Important anthropological studies were conducted by Dr. S.P. Jain and Dr. K.B. Singh, and department has fairly good collection of skulls of various animals for anthropological study.

Various works on histology, histochemistry, chromatography vaginal cytology, PAS technique, specimen staining, alzarin preparation, N.S. staining, triple staining Messi's technique, go.gi chloride staining technique were developed in the department lab under the guidance of Dr. C.D. Gupta.

Some of the achievements of this department are as follows :

1. Liver cast study by Dr. C.D. Gupta has been coated and quoted in Gray's Anatomy.
2. Development of new stains obtained from plant for advanced malaria parasite staining technique and development of two stains for the various neurons in nervous system. Both these studies have been done by Dr. Dharam Singh.
3. Mutogenic chromosomal studies by Dr. V. Kulshrestha.
4. Study on Coronary artery loop system by radioopaque dye has given rise to a new hypothesis
5. Finger print study in schizophrenic patients.



Department of Anesthesiology

Time of establishment : The department came into existence as a separate independent department in 1964.

- **List of Heads of Department :**

1. Dr. J. Chandra 1962 - 73
2. Dr. B.L. Gupta 1973 - 83
3. Dr. P.C. Jain 1983 - 98
4. Dr. N.K. Gandhi 1998 - 2004
5. Dr. Surekha Saxena 2004 - contd.

- **A Short Profile of department :** The department of Anesthesia is located in the main surgical block. About seven operation theaters are run each day, equipped with anesthesia trolleys, central pipe lines and multipara monitors etc. A PAC clinic for the anesthetic check-up of all surgical patients is run in the OPD. An eight bedded ICU located in New Emergency Block is also under the department of Anaesthesia which is equipped with monitors, ventilators, portable X ray syringes & infusion pumps and gas analyser etc.

- **Achievements of department :**

- (i) First to start OPD Pre Anesthesia Clinic amongst the state Medical Colleges of UP in 2003.
- (ii) Acute pain management and high dependency unit was started in September 2004.
- (iii) Amongst first to run ICU successfully in LP State Medical Colleges-started on September 2005.

- **Total No. of PGs passed :** 140 M.D. and 40 D.A. students. It is also a centre for DNB (Anaesthesia).

- **State Level Conferences Organized** in 1984, 1987 and 2006

- **Four M.D. (Anaesthesia) Students have done FFARCS** in last 10 years.

- The department has become the centre for training of PHMS doctors for emergency anaesthesia in obstetric care -A national programme.

- Approximately fifteen post graduate students have acquired various faculty posts in different Government and Private Medical Colleges of India.



Department of Biochemistry

Till 1978-1979 this department was under the Department of Physiology. Dr. M.G. Chakraborty was the head of the Dept. of Physiology and Biochemistry at that time.

In 1978-1979, Dr. A.N. Malviya was the first head of this independent dept. After the voluntary retirement of Dr. Malviya in 1981, Dr. S.P. Singh was acting head of this department for some time. Thereafter, in July 1981, Dr. M.C. Pant was appointed as the head of the department who retired in July 1999. Late in the year 1999, in the month of September Dr. R.S. Baghel took over as the head of the dept and after the completion of his tenure Dr. J.B. Singh took over as the head.

In the year 2002, Dr. Sarvesh Yadav was appointed as the head of the dept. During the tenure of Dr. Pant, several projects & schemes like U.G.C., ICMR, D.S.T. were undertaken for research purpose and many students were awarded Ph.D. Degree. Several research papers were also published. This trend has continued till now.

Recently many instruments of new technology have also been installed in the department bringing it up to par with the latest investigation facilities in the city.



Department of Cardiology

The Department got separated from that of Medicine in 1988. Earlier, it existed as a Heart Clinic under the parent department.

Dr. V.K. Jain was the first Head of the Department from 1988 to 2003. Thereafter, Dr. Ajay Kumar Agarwal is working as the Head of the Department.

The Department has facilities of ICCJ which is functioning extremely well.

It has its own equipment for doing Echocardiography and TMT.

Although, no diploma or degree courses are being run by the department, post graduates of the department of medicine are posted in a roster to provide them training in Cardiology.

The department has organized one national level and two state level conferences and has also contributed several publications in reputed medical journals.





Department of Dental Surgery

Time of establishment of the Department : The Department of Dental Surgery was established in 1961 after being separated from General Surgery department.

- **List of the Heads of the Department :**

1. Professor M.C. Srivastava 1961 - 1988
2. Professor S.K. Katharia 1991 - Continuing

- **Profile of department and its achievements**

The department of Dental Surgery has the following subunits :

- i. Oral & Maxillo-facial Surgery
- ii. Periodontal (Pyorrhea) clinic
- iii. Conservative Dental Clinic
- iv. Orthodontic Clinic
- v. Pediatric Dental Clinic
- vi. Maxillofacial Prosthetic Clinic
- vii. Oral cancer detection clinic

The department is equipped with latest technology and treatment facilities in above mentioned units specially treatment of fractures of Maxillo-facial skeleton, temporomandibular joint, dental facial deformities, endodontic surgery, restoration of carious and mutilated teeth, periodontal surgery etc.

- **Courses organized by the department :**

The Post graduate course in Dental surgery is not available in the department. However, supervision in MD/MS/PhD thesis research work related to Dental Surgery is provided.

- **No. of Conferences organised :**

- i. 19th U.P. State Dental Conference, 1994
- ii. 23rd U.P. State Dental Conference, 1998

- **Community / Extension services :**

Dental Camps and Oral health education programmes are being organised regularly in rural areas and schools

Department of Ear, Nose and Throat (Otorhinolaryngology)

Establishment : Our department came into existence as an independent department in 1976

List of Heads of Department

Dr. U.C. Mishra

Dr. Murari La.

Dr. R.S. Gill

Dr. Dharmendra Kumar

Profile of Department

The department of E.N.T. is located in main surgical block on 2nd Floor. One operation theatre attached with the department is having facility of routine ENT surgeries and Head and Neck Surgeries. Facility of special tests of hearing like pure Tone Audiogram, is available. Speech therapy facility for voice pathology is also available.

Achievements regarding Department

- Special tests of Hearing like Impedance audiometry B.E.R.A. and O.A.E. (Otoacoustic emission) have been started.
- Endoscopic surgeries of nose/PNS/ Lungs started since 2006.

Post Graduate Teaching

Two D.L.O. post graduates are admitted annually.





Forensic Medicine and Toxicology Department

Time of Establishment : This subject is very old (since 1960) but previously it was taught by Civil Surgeon and in our medical college it attained independent status in 1976.

List of Head Departments :

1. Dr. C. S. Gupta 1969 - 1987
2. Dr. G. U. Qureshi 1987 - 2004
3. Dr. Ajay Agarwal Feb 2004 - till date

This department is meant to help justice in the court of law and to help the patients suffering from various poisonings. Faculty of department is doing all critical and important post mortems and helping in matters related with human rights. It is giving very important medico legal opinions in various issues. The department also helps faculty of medicine in various poisoning cases. Training is also given to staff members regarding medicolegal issues.

PG : Post Graduate Course in Forensic medicine is recognised by MCI. A total of 15 candidates have passed M.D. and are placed as faculty in different medical colleges of India. At present two students are registered for P.G

Department of Gynaecology and Obstetrics

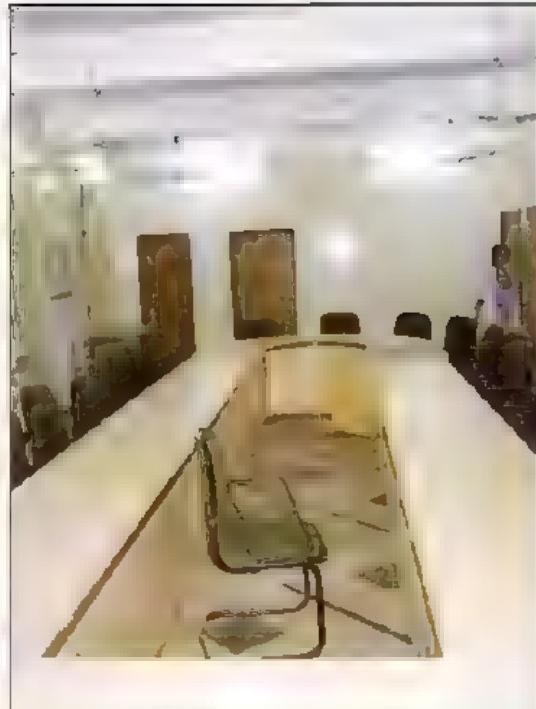
In 1883 a separate section of the training of lady students was established at the Lady Lyall Dufferin Hospital and the first batch of 4 female students was admitted, but this arrangement was abolished in 1942 when it was amalgamated with the Medical College named after the first Lady governor of U.P.

When the college came into being in 1939, Major General Sir Buckley was the Principal. He was a gynaecologist of repute and became the Principal after retiring as Surgeon general, Bombay. In 1939, Dr. Rawat, a Civil surgeon was sent to Madras for special training in gynaecology and on his return took charge of the gynaecology department and the department came to be known as Rawat's ward.

In 1944, the department of Obstetrics and Gynaecology, which from its inception was running in the Lukis ward, was shifted to its present location. After Dr. Rawat, Dr. Chatterjee and Dr (Mrs.) Tilak became the heads of the department. As the government of U.P. was running short of gynaecology surgeons, Dr. Ajinkya from Bombay was called on deputation and later Dr. Major J.E.R. Hepolette came from Punjab and headed the department for two years. In 1947, Prof. (Miss) A.D. Engineer took over as the head of the department but was requested by the U.P. government to take charge of the gynaecology department of King Georges Medical College, Lucknow. Thereafter, Prof. Nawal Kishore took charge for more than two decades.

There after, Prof. Ramesh Chandra, Prof. Kusum Gupta, Prof. Veena Mathur headed the department. Presently Prof. Arun Nagrath is the head of the department.

By way of the infrastructure nothing much seemed to have changed over the last 50 years except the two additional sections which were added to existing, building during Professor Nawal Kishore's tenure. A postpartum centre block with an operation theatre and 10 bedded ward facing the Pediatrics department on one end and a labour room with a 20 bedded maternity ward facing the private rooms at the other end were inaugurated and opened for the patients in 1973.





Recently, changes have been made in the building of the department. The layout, wards, operation theatres and labour room have undergone major renovation. The refurbished OPD block has a separate ANC, Baby friendly, family planning and PV room. An air conditioned seminar room with a fully furnished library is open to the students and the postgraduates not on call are encouraged to sit and study in the library. Three monthly internal assessments of all the postgraduate students is done by the entire faculty and even their day to day work is graded.

Ultrasound facilities are now available at affordable cost and even free for poor patients and lately an ultrasound logic 200 machine has been donated to the department. A new semiprivate ward was formally inaugurated by Prof. Nawal Kishore on 15th August 2004.

The department is recognized for promotion of nondescent vagina, hysterectomy in northern India. The private ward block has also been renovated and fully air conditioned and non air conditioned rooms are made available for the patient care. In 2005 PPTCT centre (Prevention of parent to child transmission of AIDS) was established in the department, in which measures to prevent transmission of HIV from mother to child are being taken. In Nov-Dec 2006, two workshops were also conducted to train district level PPTCT teams of 11 districts of Uttar Pradesh.

In collaboration with SIFPSA, a conference hall has been renovated in the department where training of medical officers from district level are being conducted. EmOC and Neonatal care training of 21 days abdominal tubectomy training of 12 days are being conducted in regular batches. Presently the department is also having the facility of cardio toco graphy for high risk pregnant cases. This facility is available inside the labour room as well as in CTG unit.

Endoscopic surgery has been partially started in the department which will be extended with the availability of more equipment. Faculty members and post graduates are actively involved in the research work its presentation and publication in national and international journals.

Sr. No.	Year	Name of Head of the Department
1	1939 - 42	Dr Chatterjee
2.	1942 - 43	Dr (Mrs.) Tilak
3.	1943 - 45	Dr Ajinkya
4.	1945 - 47	Prof. Maj. J.E.R. Hepolle
5.	1947 - 54	Prof. (Mss) A D Engineer
6.	1954 - 80	Prof. Nawal Kishore
7.	1980 - 84	Prof. Rameesh Chandra
8.	1984 - 95	Prof. Kusum Gupta
9.	1995 - 03	Prof. Veena Mathur
10.	2003 - till date	Prof. Arun Nagrath

Department of Medicine

The Post Graduate Department of Medicine, S.N. Medical College, Agra has a glorious past, an active present and a future, by the grace of the Almighty, full of promise. While it has contributed to the medical education and research it has also fostered the development of specialties as separate entities and their independent establishment. When in the year 1939 the erstwhile Thompson Medical School at Agra was rechristened as the Agra Medical College, Professor Dr. G.N. Vyas was the first Head of the Department of Medicine in this college and the Department started preparing specialised doctors in the field of medicine for the service of humanity. The Department of Medicine was established with 93 beds and a chair each of Professor of Medicine, Reader in Clinical Medicine and Lecturer in Therapeutics. There were two special sections in the Department-Paediatrics and Dermatology each under the charge of Lecturer. The Department showed vigorous all round growth and other specialities were developed. The first Heart Clinic of this Institute was started at Agra in 1946 with the appointment of Lecturer in Cardiology; T.B. Clinic in November 1949 with appointment of a specialist, and Neuropsychiatry in 1958 with a Reader and Lecturer. Speciality of Pediatrics developed under the care of Department of Medicine and was established as a separate Department in the year 1960.

Later in the year 1971 the department was upgraded by the Central government as PG Department of Medicine headed by Director Professor, in recognition of its excellent contributions to health care, medical education and research, achieved, under the dynamic guidance of Professor Dr. K.S. Mathur, who did some of the pioneering studies in India in cardiovascular diseases and created the Heart Clinic in 1946. In addition to already existing subspecialties in Dermatology, Tuberculosis, Neuropsychiatry and Cardiology, the Coronary Care Unit, Nephrology Unit, Nuclear Medicine and Radioimmunoassay units were established and speciality clinics were started for Diabetes, Endocrinology, Allergy and Immunology and Hypertension. In the 1980s the subspecialties in Neurology and Gastroenterology were added. The well developed sections of Cardiology, Dermatology and general diseases, Neuropsychiatry and



Tuberculosis became full fledged Departments in 1988. The Department of Medicine also has a Biochemical Research Laboratory with a Reader in Biochemistry. The Department has its facilities for experimental animal work right from 1970 and these now include facilities for handling radioactive animals in Nuclear Medicine Unit.

Today the Department is headed by a Director-Professor and boasts of five chairs of professors in Nephrology, Nuclear Medicine, Neurology, Clinical and Experimental Medicine. From the year 1948 when the first M.D. came out from the Department over 500 M.D.s in Medicine have been produced several of whom occupy responsible chairs in various teaching Institutions, Hospitals, Provincial service, the Defence services, Railways, CGHS etc. and in other countries. Rest are consultants in private practice.

Under Graduate Education :

The undergraduate teaching in the Department is one of its important functions. The students are exposed to didactic lectures, discussions and the practical training on the clinical examination and management of patients. There is a close rapport between the students and the teachers which helps in the transference of knowledge and expertise.

Post Graduate Teaching :

The post-graduate teaching is aimed at providing the knowledge, acumen, confidence and skill required in the management of the case and the ability to plan and conduct research. For the training in research methods the Residents are attached to Senior teachers to plan and work for their these.

The clinical training is given in the form of acquiring the latest theoretical knowledge through, Journal Clubs, Seminars etc. and practical analytical ability through Case Discussions. The general handling and management programmes are learnt in Outdoor, Indoor and Emergencies. The importance of co-ordination with investigative departments essential for management of cases is emphasized. It is a comprehensive system of training in each facet.

Grand rounds, Clinico-pathological and surgico-pathological conferences :

These are regularly held both at the departmental and inter-departmental levels and provide a forum for both teachers and postgraduates to learn from the discussion of the important cases including those who have been subjected to cytological tests, biopsy and autopsy.

Clinical session in specialities :

The postgraduates are exposed to related subspecialties by the units in Allergy and



Clinical Immunology, Neurology, Gastro-enterology, Nuclear Medicine, Endocrinology and Nephrology. To these are referred interesting cases from all Units for discussion for the postgraduates.

Postgraduate students take part in the teaching programme of undergraduate students. They take tutorials daily in the evening of a group of students allotted to them which is a preparatory exposure for future teachers.

Patient Care :

The Department now has 220 teaching beds in addition to the 6 beds in Intensive Care Unit and 6 beds in Intermediate Care Unit. It provides yeoman service to the ill. It conducts outdoor, indoor and emergency services for the patients. The consultants, resident staff, nursing staff and other employees work with devotion and zeal to provide patient care.

Research :

It has been the philosophy of the Department that research is the sine qua non of excellence in medical teaching. Research has therefore been an integral part of the Department with over 1200 publications from it since its inception.

The department has received grant in-aid from various National and International agencies like Indian Council of Medical Research, State Council of Science and Technology, World Health Organisation, International Atomic Energy Agency, Department of Science and Technology, etc. which in itself bespeaks of the high quality and credibility of the research conducted here.

The research is a broad based programme and this department has the proud privilege to be co-operating with other clinical, investigative and basic science departments for research.

The areas in which the research has been conducted comprise several facets of internal medicine and related specialties, reflecting the particular interests of the members of the faculty. A notable feature in the research work in the department has been the work in the field in addition to the hospital based clinical work. Furthermore, the experimental animal facilities have enabled numerous studies in experimental medicine.

Cardiovascular Diseases :

A unique study from the department was a gross post-mortem study of over 900 aortae's





derived from the medico legal post-mortems. This and related studies led to the recognition of Bengal gram in the diet as a significant agent preventing atherosclerosis which led Prof. K.S. Mathur being awarded with Watamul award. Population based epidemiological studies on atherosclerosis and hypertension were conducted in the 1960s. These included the analysis of a unique vegetarian semi monastic Radhasoami community headquartered in Agra. Twenty years later under the auspices of Indian Council of Medical Research a follow up study was conducted the data of which represent the first Framingham type study from the South East Asia, besides highlighting the effects of a vegetarian diet and physical work. Epidemiological studies on rheumatic diseases included a survey on the entire school population of Agra. Fundamental studies on the auto-immune mechanisms in rheumatic heart disease were performed using immunofluorescent techniques and experimental animal models of rheumatic carditis were created. Modified Duckett Jones criteria for the diagnosis of rheumatic fever were proposed in the basis of discriminant function analysis of over 550 patients. Experimental animal models of myocardial infarction were created and used for the evaluation of antiarrhythmic agents. In later years with the establishment of Intensive Care Unit, diverse studies on myocardial infarction were performed including extensive studies on fascicular blocks and a new coronary prognostic index was proposed. Sexual rehabilitation of coronary patients was also analysed.

Poisoning :

Agra perhaps has the highest mortality from copper sulphate poisoning related to its widespread availability and use in the leather industry. This fact led to the several fundamental studies on the mechanisms of acute copper toxicity, and the modes of therapy culminating in the use of haemodialysis which has now significantly reduced the mortality.

Communicable Diseases :

The application of newer assay techniques to the diagnosis of communicable diseases has been another major interest of the department. Apart from conventional radioimmunoassay, pioneering studies in the use of radio labelled immunoradiometric and ELISA techniques for the diagnosis of antigenemia in tuberculosis, malaria, amoebiasis and enteric fever were developed.

Cancer :

The Nuclear Medicine unit first headed by Dr. D.K. Hazra, is now engaged in work of frontier areas of technology using monoclonal antibodies generated by the hybridoma technique for immunotargetting in both neoplastic and infective lesions in collaboration with the Department of Pathology under the auspices of Department of Science and Technology, Govt of India project. Apart from adding an etiopathological dimension to conventional structural and functional imaging radioimmunotargetting carries the

promise of possibly of a new mode of therapy for cancers. Some of the original aspects of this work are the use of oncogene coded targets for and antibodies and of Beta emitting radionuclides suitable for Ima such as radiogold and radiosilver.

The recognition which the Nuclear Medicine and RIA Unit has received in a short span is exemplified by its not only participating in World Health Organisation International quality Control Scheme and several I.A.E.A. projects but also by its being designated as the National External Quality Control Center for the radioimmunoassay of reproductive hormones by the Indian Council of Medical Research.

An interesting aspect of the research work of the department has been the use of innovative techniques on locally available materials. These include field trials on a slide projector modified to serve as an automatic gamma counter, an indigenous ELISA reader, a well cutter for ELISA plates etc.

Recent Expansion :

The Department of Medicine is now 66 years young. In the last 15 years it has witnessed the following new developments

1. ICU It has 6 Intensive care unit beds with 6 intermediate care unit beds. It has multiparameter monitoring capabilities, defibrillators and sophisticated, infusion pumps.
2. The neurology Unit has now been equipped with NCV,EMG in addition to its and EEG machines.
3. The Nuclear medicine unit has Gamma camera with SPECT facility, modern radiochemical laboratory and an isolation therapy room enabling high dose iodine therapy for thyroid cancer as well as phosphorous therapy for bone metastases. It is the pioneer centre in the country to perform radio immuno therapy using radio labelled antibodies in patients with liver metastases.
4. Artificial Kidney unit. In addition to old dialysis systems, Bicarbonate dialysis is now possible and the unit has its own reverse osmosis facility and generator .. Several dialysis machines were received through donation from old students.
5. Gastroenterology Unit is now strengthened by video endoscope and video colonoscope.
6. Respiratory unit. In addition to initial Pulmonary function tests and allergic testing now we have fiberoptic video bronchoscope.

The birds' eye view of the research interests of the department is a glimpse of the varied research interests. As the specialities grew, all of them are now poised to make original contributions in areas in which they are working.

The National and International recognition of its teachers is exemplified by the numerous awards and the prestigious positions they have held.



SNMC

Conferences :

The Department of Medicine has been regularly conducting an annual Wahal Gupta CME every year and a Mathur Mehrotra Oration Award, which is organized under the auspices of a Post-graduate Medical Education Research Trust (PGMERT) created in the Department.

Heads of Department :

1. Prof. Dr. G.N. Vyas (1940-1950)
2. Prof. Dr. K.N. Gaur (1950-1957)
3. Prof. Dr. K.S. Mathur (1957-1972)
4. Prof. Dr. M.P. Mehrotra (1972-1978)
5. Prof. Dr. Ram Singh (1978-1989)
6. Prof. Dr. P.K. Wahal (1989-1992)
7. Prof. Dr. M.C. Gupta (1992-1993)
8. Prof. Dr. N.L. Patney (1993)
9. Prof. Dr. D.K. Hazra (1993-2000)
10. Prof. Dr. M.M. Singh (2000-2003)
11. Prof. Dr. S.K. Sharma (2003-2005)
12. Prof. Dr. M.L. Pursnani (2005-2007)
13. Prof. Dr. A.K. Gupta (2007-contd.)

Awards :

There have been four awardees of Dr. B.C. Roy award from the department. Five faculty members have been presidents of API and four presidents of JACM. Six faculty members have been awarded fellowship of the academy of Medical Sciences. One faculty members has also been President of Association of Nuclear Medicine and Dean of Indian College of Nuclear Medicine.

Department of Ophthalmology

The ophthalmology department has risen gradually and progressed rapidly. In the times of the Thomson Medical School, the department functioned under the charge of a solitary lecturer and was part of the Surgery department. In 1942, for the first time a full time post of professor was created for the Dept. of Ophthalmology and Prof. R.S. Verma (1942-52) was the first to be appointed. Another post was created in 1949 and was later upgraded to the rank of reader. A number of other tenure posts such as demonstrators, registrar, resident ophthalmologist and two refractionists were also added.

In 1942 a major breakthrough occurred in the progress of the department due to the donation of a set of buildings by a local philanthropist Mathura Dass Padam Chand Jain. This provided a solid foundation based on which further development in terms of increased patient care and educational and research programmes could take place.

After Prof. R.S. Verma the following were the subsequent Head of this prestigious department Prof. K.N. Mathur, Prof. P Awasthi, Prof. Y.P. Singh, Prof. N.N. Agarwal, Prof. A.K. Sood, Prof Veena Misra, Prof. B.D. Sharma and Prof. D.J. Pandey.

The department is recognized by the Medical council of India to hold undergraduate and postgraduate training programmes and award degrees of M.S. and D.O.M.S. Prof. K.N. Mathur was the first postgraduate to pass out from this department. After that 4 to 5 M.S. postgraduates and 2-3 DOMS students pass every year. Since 1980, 125 M.S. students and 54 DOMS students have passed out.

The students who have passing out with degrees of M.S. and D.O.M.S. have played a great role in spreading the fame and reputation of the institute. Most of the alumni of the ophthalmology deptt. have held coveteous posts outside and done the department and institution proud by displaying unmatched clinical and academic ability along with a strong dedication and commitment to the profession.

In the field of community ophthalmology, "Mobile eye unit" was introduced in the department in the year 1980, under national plan of prevention of blindness. Now we have a full fledged team of two efficient medical officers and supporting paramedical staff. This team is equipped with latest facilities. The achievements are markedly noteworthy in respect of school screening, village population survey, organization of ocular health, education campus and other major and minor surgical operations in the rural areas of Agra and suburbs.

The department has further upgraded under the national plans and additional staff and various equipments have been sanctioned. Presently in the diagnostic field, the department has fully equipped set up for glaucoma screening and diagnosis like applanation tonometry, non-contact tonometry slit lamp biomicroscopy, gonioscopy automated perimetry (Humphrey) fundus photography and photo slit lamp for



documentation and teaching purposes. Angiography is being done routinely for the diagnosis of various retinal problems. YAG laser is for problems of after cataract. For squint examination we have Hess screen and synaptophore. In the operative field, there is continuously augmented operation theatre with best operating microscopes, phacoemulsification and vitrectomy, cryotherapy, oculoplasty, squint, glaucoma and pediatric and other various surgery.

Further the equipment, resources and various specialized clinics of the department have been progressively augmented with the immense efforts of all faculty members. These developments enable the department to carry on research activities.

The Department is running the following special Clinics :

Eye bank and Cornea clinic, Pediatric Ophthalmic unit, Squint & neuroophthalmology clinic, Oculoplasty clinic, Vitreo-Retina and uvea clinic, General Ophthalmic Cataract Unit and Community Ophthalmology (Out reach Programme)



Department of Orthopedics

1. **Time of establishment :** The department came into existence as a separate independent department in 31/07/1973.
2. **List of Heads of Department:**

1. Dr. O.N. Vyas	31/07/1973 - 31/12/1984
2. Dr. K.P. Shrivastava	01/01/1985 - 30/04/1993
3. Dr. S.C. Sahu	01/05/1993 - 31/10/2000
4. Dr. H. Chandra	01/11/2000 - 31/08/2005
5. Dr. K.K. Pruthi	01/09/2005 - contd.
3. **A Short Profile of Department :** The department of Orthopedics is located on IIInd Floor of surgery building. Three wards are attached to Orthopaedics department. Orthopedics OPD is in OPD block with OPD Plaster room unit. Physiotherapy section is along with Orthopedics OPD complex having full facilities of various heat therapy, short wave therapy ultra sound therapy and for exercise of various joins and for different traction facilities. Orthopedics theatre in IIInd floor surgery block is well equipped to deal with various types of bone and joint operations. Viklang Karyashala is also a part of Orthopaedics department equipped for preparation of various prosthesis and orthosis.
4. **Total No. of PGs passed :** Till 2007, 86 students have passed Diploma in Orthopedics and 138 M. S. Orthopedics.
5. **Paper Presentation :** More than 250 papers have been presented in National, International and various State level annual conferences.
6. **Publications :** More than 200 papers have been published from this department including International journals (18), International book reference (2), National journals (148) National book reference (2) and rest in State journals.
7. **Conferences Organized :** Department has organized three U.P. Chapter I.O.A. annual conferences in 1979, 1990 and 2003 respectively. One National level conference and also Mukhupadhyay Continuing National educational program were organized in 1993. A national annual conference of I.O.A. was organized in 2004. The department also organized three mid term symposium of U.P. Chapter I.O.A. and Two PG instructional courses
8. a. Guest lectures on various subjects has been delivered by the faculty members of the department in National and State level conferences, symposia, workshop and PG instructional courses.
 b. One faculty member had held the post of honorary secretary, one of vice president and two of Presidents of U.P. Chapter of I.O.A.
 c. One faculty member had held the post of vice-president and another the post of President of the national body of I.O.A.



Department of Pathology

Established 1940

Upgraded Department of Pathology :

One of the most prestigious department of S.N. Medical College, the upgraded postgraduate department of Pathology, is actively involved in teaching and training programme of pathology to undergraduates, postgraduates and Ph.D students. Established under late Prof. P.N.Wahi, this department has produced many pathologists who have become heads of other institutes and even holding prestigious posts in foreign countries. If one looks for the best contribution of the department it was undoubtedly accepted as WHO centre for nomenclature of oral an cervical carcinoma.

Courses Taught every year:

Undergraduates - 150

Postgraduates - 21

Ph.D. Students - 01/year with collaboration with JALMA and ITRC

Technician training course for U.P. State Faculty

The following sections are being run in the Department :

Histopathology, Immunohistochemistry, Cytopathology, Tissue Culture, Special Chemical Pathology, Chemical Pathology, Haematology, Clinical Pathology and Blood Bank.

The department library also has surgical pathology and previous morbid anatomy records from 1955.

These various sections function for hospital services, teaching and research. The main emphasis of undergraduate teaching is to make them able to apply the knowledge acquired in diagnosis and therapy. Emphasis of postgraduate teaching is to make each student acquire so much knowledge of the subject that they accepted with open arms in Indian and international setups. The staff is continuously upgrading their knowledge by attending state and national conferences and international CME.

The Department has presently research grant of 1.75 lacs from the D. B. T.

Heads of Department :

01	Prof. P. N. Wahi	-	1941 - 1968
02	Prof. Jisha K. Luthra	-	1968 - 1970
03	Prof. V.S. Rajvanshi	-	1970 - 1974
04	Prof. B. Lahiri	-	1974 - 1980
05	Prof. (Mrs.) V. L. Lahiri	-	1980 - 1997
06	Prof. (Mrs.) B.R.E.hence	-	1997 - 1999
07	Prof. (Mrs.) Kalpana Singh	-	1999 onwards

No. of Post Graduates Passed :

M. D. (Path. & Bact)	99
M.D. (Path)	93
D.C.P.	7
Ph.D.	30

Conferences organized :

1. I.A.C, 1975 (first conference)
2. Indo-American C.M.E. in Haematology, 1988
3. U.P. Chapter - I A.P.M.

Community Extension work :

1. W.H.O. - Epidemiological study 91964 - 68)
 - Diagnosis and treatment of cancer cases.
 - Diagnosis and treatment of oral precancer.
 - Awareness of the oral disease and relation to tobacco.
2. Voluntary campus (1973 - 86)
 - Oral examination
 - Cytology examination
 - Cytology smears
 - Counselling on tobacco habit to all above and general public.
 - Treatment of oral cancer and precancer
3. International (1987 - 1997)

W.H.O. - I.C.M.R. Project

- Survey of prevalence of tobacco use in India - 2001
- Cancer Registry - Development of an Atlas of Cancer in India - 2005
- Biotechnology Project - 2006



Department of Pediatrics

In 1961, the Pediatrics department was separated from Medicine and Prof. R S Dayal took over as the first Head of the Department of Pediatrics. The Paediatrics beds were initially accommodated in the Old Childrens' ward (at the back of Gynaecology building). A new multistoreyed building for the Department of Paediatrics was constructed in 1964. Unit of Neonatology was added in 1973.

Subsequently the Head of the departments have been as follows : Dr. Ramesh Prasad, Dr. (Ms) Kanwal Kalra, Dr. P.P. Mathur and Dr. Rajeshwar Dayal

The Department of Pediatrics has conducted several research studies on different aspects of Pediatrics. Notable among these are studies on Nutrition and Malnutrition, Neonatology, Behaviour disorders, Speech and hearing disorders, Nephrotic syndrome, Childhood accidents, Thyroid disorders, Tuberculosis and Leprosy. These studies have been presented and published nationally and internationally. Currently problems of adolescent are also being studied.

The Department runs the following Special Clinics :

1. Well Baby and Immunisation Clinic	:	Daily
2. Speech and Hearing Clinic	:	Daily
3. Child Guidance Clinic	:	Daily
4. Asthma Clinic	:	Monday
5. Hemophilia Clinic	:	Thursday

There are also three Mother and Child Health Centers (1 rural and 2 Urban) as extension services of the Department.

The Neonatal Intensive Care Unit has been offering services (including ventilatory support) free of charge to critically ill babies.

The department has organized three National Level and three State Level Conferences, besides many CME programmes and Refresher courses. Till date, two faculty members of this Department have been recipients of the prestigious BC Roy National Award.



Department of Pharmacology

The inception of the Department of Pharmacology at S.N. Medical College, Agra dates back to the very day of foundation of this institution. In the year 1845 when a three year's course was started in the then Agra Medical School, *Materia Medica* was one of the subjects included in the curriculum. The department continued to expand since then with the gradual and continual expansion of this institution.

The credit of starting a full fledged Department of Pharmacology goes to Dr. M.D. Chakravarty, B.Sc., M.B., D. Phil (Oxford) who was the founder Professor of this department. When Dr. Chakravarty left this Institution in 1953 after serving for fourteen years, the vacuum created was timely filled by Dr. N.K. Chowdhury, M.D., D.T.M., Ph.D. (Edin.) who with his vast experience and prudent administration gave concrete shape to the plans. They were succeeded by Prof. S.S. Mishra, Prof. D.N. Prasad, Prof. R.K. Srivastava, Prof. A.L. Sharma, Prof. Shobha Kulshreshta and Prof. Priyamvada Sharma. The department, though far less pompous than many of its counter-parts, can claim to have produced pioneers in the realm of Pharmacology most of whom are heads of various departments of Pharmacology in the country. It is hoped that the silent and steady services offered by this department for the past one century will culminate in upgrading of this department during next five year plan.

The Department of Pharmacology is organized to impart training to undergraduate and postgraduate students in various fields which embrace Pharmacology. The student-strength at present includes two post-graduates and 128 Undergraduate students of IInd Professional class. The Department is recognized by Agra University, Medical Council of India and the General Medical Council of Great Britain for awarding M.D., Ph.D., and D.Sc. degrees. The department comprises various sections like Experimental Pharmacology, Pharmacy and Clinical Pharmacology.

Regular post-graduate seminars and symposia are held to keep the post-graduate students abreast of the latest developments in the field of Pharmacology. Extension lectures by various renowned personalities in the specialty are arranged every year which dispel the chances of inbreeding of thoughts and concepts. Post graduates receive financial support from the State Government. Another major objective is to foster research of high caliber. Students are given opportunity to engage in original investigations and the department endeavours to create an atmosphere of academic freedom which will encourage a high degree of original research work.

Most of the precision instruments needed in Biochemical Pharmacology and other costly and indispensable apparatus exists in the department for the use of post-graduates. The department maintains an independent library comprising important books concerning the subject.



SNMC

The department has produced 40 M. D. s by now. Out of this number many hold the posts of Professors and Head of the Departments in various Medical Colleges of India. Many of these post-graduates have occupied the posts of Professors, Principals and Directors of different State Governments and Pharmaceutical companies.

Ph.D. : 6 Students are registered for Ph.D. and 4 have completed their Ph.D.

Conferences Organized

and III Annual Conferences of Society of Pharmacovigilance (India)

Research :

The members of staff and post-graduate students of department are actively engaged in research both fundamental and applied. At present the following research works are under-going.

1. ADR Monitoring
2. Rationale therapy
3. Prescription auditing
4. Trace Elements in Various diseases.

Future Development of the Department :

There is today a greater demand than ever before for the well-trained post-graduates in the specialty of Pharmacology. Every year hundreds of new medicines are introduced in the realm medicine. Before a new medicine is used clinically it needs thorough pharmacological studies. That is why Pharmacology as a systematic science is gaining importance everywhere in the civilized world. Keeping in pace with the developments in other branches of medicine, efforts to expand the Department of Pharmacology of S.N. Medical College are in progress. During next five-year plan a full fledged Clinical Pharmacology unit shall be organized under the department. Besides this, a computer laboratory shall be set up to make studies in order to unravel the mysteries regarding the genetically controlled pharmacokinetic drugs and the mode of action of various drugs. An Experimental pharmacology laboratory shall be set up to make the under graduates also conversant with various techniques.

Department of Pharmacy

Pharmacy department, was established in the year 1973 for two year diploma course in pharmacy, with intake of 60 students, in a separate block near the Central library. Initially Sri. A.K. Maheswari was the first Demonstrator to be appointed in the department of pharmacy. Later, Sri G.A. Gupta was appointed as lecturer in the department in 1973 followed by Sri M.P. Tewari in 1976 (who later became Head of Department) and Sri A.K. Chaurasiya (now head of Department) in 1980 & Dr. Ashutosh in 1987. Gradually this department developed the necessary infrastructure as per the norms of the Pharmacy Council of India.

The pharmacy department of S.N. Medical College Agra, has the distinction of celebrating the National-pharmacy-week in 1980 under the convenership of Sri A.K. Chaurasiya in which many distinguished medical & para-medical personals, industrialists, pharmacists & pharmacy students not only attended but also benefitted from the ongoing developments in the pharmaceutical field and sciences.

Since the establishment of the Pharmacy department, thousands of students have been awarded diploma in pharmacy certificates and are placed as pharmacist in government hospitals all-over the state.

The faculty members of this department have been keeping themselves engaged in the research-work and further studies in addition to their teaching schedule.

Several works have published from the department including two books on Pharmaceuticals in Hindi by Dr. A.K. Chaurasiya. The staff is also contributing to different projects of Biomedical waste in the college

List of Head of Departments

- Sh. G.A. Gupta
- Sh. M.P. Tiwary
- Dr. Ashutosh
- Sh. M.P. Tiwary
- Sh. A.K. Chaurasiya

Department of Psychiatry

The Department of Psychiatry came into independent identity in the year 1987. Earlier it was having its presence in the college in the form of a Psychiatry Unit with Department of Medicine for previous many decades.

At the time of inception of Department of Psychiatry, it was headed by Prof. R.K. Jain. The department owes a lot to him. He retired in June 1994 and since then the department is headed by Dr. K.C. Gurnam.

The department is imparting many services - Academic, Clinical, Social & Organization.

Academic :

It is running M.D. (Psychiatry) course in which 2 students are selected each year. Before 1987, this course was being run in association with Mental Hospital Agra for the previous few decades. Prof. Dr. K.C. Dubey, Prof. Dr. B.S. Yadav and Dr. Jagannath are a few luminaries on the Indian Psychiatric field, who as Faculty members were a part of the glorious past of the Psychiatry unit. Till now more than 50 candidates have received their M.D. Degree and many of them have let known their presence on the psychiatry scene, not only at National level but also internationally.

O.P.D. :

The department can boast to have one of the best OPD infrastructure in the country. It has internet connected computerised, independent OPD cabins. Facilities for EEG, ECT, Biochemical Investigations and Psychotherapy are available in the OPD setup. On an average about 50 patients are seen daily.

Biochemistry Lab :

Facilities for all routine blood investigation, serum Lithium estimation, Alcohol Breath Analyser and Thin Layer Chromatography are available in the laboratory.

Indoor :

The department has 37 indoor beds for General Psychiatry patients. The Wards are quite spacious. Facilities for indoor TV, indoor games and music therapy are provided to these patients.



Special Services :

The department is in the process of establishing some new special services which have been made possible by the grant received from Central Government under National Mental Health Programme. These services are :

1. De-addiction centre.
2. Centre for personality development.
3. Sleep lab
4. Lie-detector centre.

These services shall be functional soon

Organisational Work :

The department can boast to have its contributions in the area of Psychiatry education for psychiatrists of the country, in the form of organising Refresher Courses in Psychiatry. Besides this the department has also organised annual national conference of IPS-Central Zone and has been associated with other National and International Conferences, which have been organised in Agra.

Social Services :

Besides the above work, the department has also understood its responsibility for the society in general. Keeping this in mind, the department has been regularly giving its opinion and guidance to the masses on various psychiatric problems. It has also organised twice a year, some program on the problems of geriatrics during the National Dementia Awareness Week and on Epilepsy Day.





Department of Physiology

The Department of Physiology at S.N. Medical College, Agra is as old as the institution. This is one of the first departments in the State which was recognized for post-graduate teaching and research. The credit of establishing this Department in 1939 goes to Dr. H.N. Gupta who was later succeeded by Dr. M. Singh (1940) & Dr. S.N. Mathur (1941). Prof. I.J. Singh took charge as head of the Department in 1948 and his pioneer original researches, which came into conflict with world authorities and Nobel laureates, put the department on the International scene. He is still remembered as not only a national but an international giant among contemporary physiologists. Some of his pioneer studies are related to Life without breathing, Electrical & Mechanical activity of frog's heart in electrolyte free solution, tryptaminergic, histaminergic and kininergic fibers in frog vagus nerve, Sources of acetylcholine, adrenaline and nor-adrenaline on nervous stimulation of vagus and sympathetic nerve to frog's heart, reactions of depolarised unstriated muscles etc.

This battery of scientific heritage was well carried forward by successive incumbents thereafter, Prof. T.C. Gupta, Prof. B.B. Sharma, Prof. S.R. Kapoor, (who have been Principals also), Prof. (Mrs.) S. Sharma, Prof. (Mrs) V.K. Negi, Prof. R.V. Sharma and Dr. R.B. Singhal. They all looked after and guarded the interest of the Department and the present team acknowledges with gratitude the endowment of all past teams of the department of Physiology.

The Department is recognized for postgraduate degree of M.D., Ph.D. & D.Sc. in Physiology & Biomedical sciences by Agra University. The first M.D. was conferred in the year 1949 and Ph.D. in 1961. Till now, four Ph.D.'s have been awarded in this Department. It is a matter of pride that a number of Postgraduates of this Department are working as Professor & Heads of the Departments in various Medical Colleges of the Country.



Department of Radiodiagnosis

After the establishment of S.N. Medical College, Agra in 1946, the Deptt. of Radiology was established as a separate department. In 1948, a renowned ICS Shri Pannalal donated one Lakh rupees for the establishment of Radiotherapy center which later on came in existence as Laxmi Pannalal Radium Institute.

The first regular Head of Department was Prof. P.K. Halder, a renowned radiotherapist of international repute. Initially the department was recognized for DMRE course. In 1963, the postgraduate degree (MD) was course started in the Department.

Since then many postgraduate students have been conferred postgraduate degree & diploma. (75 MD and 200 DMRE). The postgraduates of this Department have worked and are working in various faculty positions in Medical Colleges & institutions throughout India.

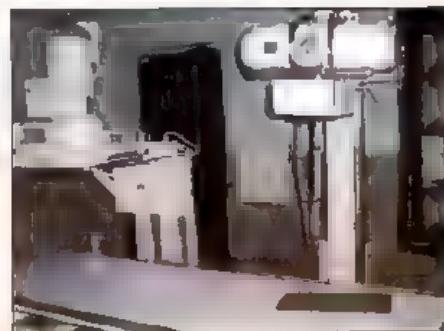
In 1987, the Department of Radiology was divided into two separate branches- Radiotherapy & Radiodiagnosis. Since then the department has started the degree courses in the concerned speciality. The department is catering services in Radiodiagnosis & Radiotherapy to the large population of adjoining Northern India.

The department of Radiodiagnosis is equipped with one 800mA, three 500mA X-ray machines, image intensifier, 300mA machine, portable/mobile unit of 30 & 60 mA. A versatile mammography unit & ultrasound machines are giving the services for the benefit of patients coming from local & distant areas to Medical College.

Presently the department is being served by two Professors, 8 qualified technicians, one record clerk and three IV class employees. At present two postgraduate MD students are admitted through UP PGME Examination & four DMRD students from PMS services. Para medical training for X-Ray technicians with two years course is also being conducted in the Department.

Heads of the Department

- | | | | |
|---------------------|---------------------|---------------------------|---------------------|
| 1. Dr. P. K. Halder | 2. Dr. O. P. Trehan | 3. Dr. V K. Rohatagi | 4. Dr. R. D. Sharma |
| 5. Dr. R. D. Sharma | 6. Dr. A. S. Mathur | 7. Dr. (Mrs.) J. P K. Gil | 8. Dr. A. K. Gupta |





Department of Radiotherapy and Clinical Oncology (LPRI)

Since the establishment of S.N. Medical College, Agra, Radiology department was carrying dual responsibilities of Radio diagnosis as well as Radiotherapy. It was in 1987, when the independent existence of both the departments i.e. Radiotherapy and Radio diagnosis came into being. Our department is popularly known as Laxmi Pannala Radium Institute. Prof. P.K. Halder, an internationally reputed Radiotherapist was the first regular Head of the department. Agra and Mumbai were the places, where first Cobalt machine were installed in India. In our department, Cobalt 60 was installed in 1971 for the treatment of cancer patients under Colombo plan by Canada Government. Since then thousands of cancer patients had been benefitted, but due to very less source output and very old machine it was closed in 2004. Brachytherapy procedures were also closed in 1998, after benefitting hundreds of patients. Dr. O.P. Trehan, Dr. V.K. Rohatgi, Dr. B.D. Gupta, Prof. P.S. Negi, Dr. R.D. Sharma and others have contributed a lot to the department. The post graduates of this department have worked and are working at the various faculty positions in Medical Colleges and institutions all over India.

The Department of Radiotherapy is at present having Teletherapy machine PHOENIX, to provide the radical as well as palliative radiotherapy to malignancy of all sites, Brachytherapy equipment, remote after loading HDR MICROSELECTRON to provide intracavitary, intraluminal and interstitial Brachytherapy and one advanced treatment, Planning System ASHA 3D, to provide optimized dose distribution to the tumor. In near future department will be in fully functional condition to provide its services to cancer patients of nearby and distant areas. Department is providing chemotherapy services to cancer patients of local and distant areas. At present department is having one Associate Professor, one lecturer and one Assistant Professor in physics. Atleast twenty students have done M.D. in Radiotherapy of the bifurcated department. Two postgraduate students get admitted per year through U.P.-PGME Examination.



HDR Microselectron V2

Department of Skin and Veneral Diseases

In 1946, Dermatology OPD was started with Dr. K.N. Saxena as lecturer in the department of Medicine. In 1971, postgraduate course for Diploma in Veneral Diseases (DVD) was started in the section of Dermatology under Department of Medicine. In 1986 Department of Skin and VD came into independent existence with Dr. G.G. Dhir as the Head of Department. In 1988 MD (Skin, VD & Leprosy) course was started. In 2004 Dr. P.K. Singh, Associate professor took over as Head of Department.

The following courses are run by the Department

1. MD (Skin, VD and Leprosy) Two students per year are admitted through UPPGMEE MD Courses started since 1988. Till date about 40 MD students have passed out from the Department.
2. D.V.D. One student through UPPGMEE and one through PMS Services are admitted every per year DVD Courses are running for last 40 years. About 80 students have passed DVD.

The Department also runs STD and Leprosy clinics daily. Special clinics are conducted once a week in Pediatric Dermatology, Geriatric Dermatology, Allergic Dermatitis Cosmetic Dermatology, Dermatosurgery and Pigmentation Clinic.

Community work : Camps are organized from time to time in villages and schools.

At present there are 20 beds in Hilson ward.

Every year two postgraduate students take 15 days special training in Dermatosurgery at MLN medical College, Allahabad.

The department has all latest equipments which can be available in any state medical college e.g. cryosurgery, microdermabrasion, radiofrequency, videodermascope. Demand of laser, dermatosurgery chair, phototherapy unit with narrow and broad band spectrum are under proposal. A full fledged independent building for Department has been proposed with OPD on ground floor, 40-50 bedded ward at first floor and complete Department with all modern facilities on 2nd floor.

The department has more than 100 papers published in various journals.

Conferences organized by the department :

- a. IADVL (U.P. branch) annual conference in 1986.
- b. IADVL (U.P. branch) annual conferences in 1995.
- c. BHUDACON International conference and CME in 1997
- d. IADVL National conference in 2001.
- e. WOLNDCON National annual conference and CME in 2006.

The postgraduates of the department have secured top position for last two consecutive years in UP State and National level quiz organized by the national association of Dermatology making to final at Hyderabad conference in 2006.

New work started in this speciality

1. Punch grafting and autologous melanocytes transfer in vitiligo cases.
2. Hair transplant procedure in alopecia and baldness.
3. Rejuvenation of skin by chemical peeling.
4. Removal of wrinkling and acne scars etc. by microdermabrasion.
5. Removal of wart, skin, keloids etc. by radiofrequency.
6. Removal of wart, skintags, rejuvenation of skin by cryosurgery method.
7. Use of videodermascope for diagnostic and research purpose.
8. Counselling of AIDS, STD and skin cases by health visitors.



Department of Social and Preventive Medicine

The Department of Social and Preventive Medicine was established in the year 1962 and the first Head of the Department was Dr. J.S. Mathur. The M.D. course was started in the year 1978 and a total of 45 students have been awarded M.D. degree till date. Three M.D. students are granted admissions every year. The Ph.D. Biomedical was started in 1984 and since then many Ph.D's have been awarded. The Department has its two peripheral units for field training of undergraduate and post graduate students the Urban Health Centre in Loha Mandi, Agra having three slum areas covering a population of 6 thousands and Rural Health Training Centre at Saiyan Block covering 15 villages. The Department also runs an immunization clinic daily in the College.

Major Research Area :

1. Related to implementation, training monitoring and evaluation components of various National Health Programmes in coordination with G.O., G.O.U.P. and International Organizations like UNICEF & WHO.
2. Surveys related to Health status of children Health seeking behavior of Community and evaluation of integrated Management of Neonatal & Childhood illness (IMNCI) etc.

Training programmes :

1. Training of trainers (TOT) under various National Health Programmes namely Integrated Child Development Services Scheme (ICDS), Universal Immunization Programme (JIP), Child Survival and Safe Motherhood (CSSM), Reproductive & Child Health (RCH) and strengthening of doctors, interns, nursing staff and paramedical
2. Training in safe injection practices of doctors interns, nursing staff and paramedical workers under Model Injection Centre (MIC) Programme of India CLEN.

Special Units :

1. Immunization clinic, situated in the Department which runs daily and provides immunization services for all VPDs under National Programmes.
2. Model Injection Centre (MIC) : the Immunization Clinic of the Department also acts as MIC to demonstrate the idea, injection practices and safe disposal of biomedical wastes under India Clinical Epidemiology Network (India CLEN).

Achievements regarding department :

1. The Department is nominated for training, monitoring, and evaluation of strengthening of Routine Immunization Programme.
2. The Department has prepared training modules for medical officers and health workers on various training programmes like RI, Nutrition HIV/AIDS, Dais Training.
3. The Department had been State Nutrition Resource Centre (SNRC), Unicef-UP.





4. The Department has conducted research projects in various Community Health Fields like Maternal mortality, Maternal and Child Health & Nutrition (MCHN), Intensive Pulse Polio Immunization (IPPI), Industrial Health, Routine Immunization (RI), National Family Health Survey (NFHS), Concurrent Assessment and Technical Assistance (CATA), Integrated Management of Neonatal & Childhood illness (IMNCI) etc.



एस० पी० एम० विभाग, परिदृश्य

5. Training : conducted training programmes for various health functionaries on subjects like Rehabilitation, Nutrition, Safe delivery, R , PPI, CSSM RCH, HIV/AIDS, Cold chain.



सेमीनार कक्ष

6. Participation, Evaluation and Monitoring of IPPI and Supplementary Polio Immunization activities its inception.

Others : The Department is providing statistical assistance in research work to the faculty and PG students of various departments of the College and also runs a Hospital statistical unit of the College.

Other Courses : Department was conducting a diploma course of one and half year titled "P.G. Diploma in community health" of Dr. B.R. Ambedkar University, Agra till 2006.

List of Heads of Department till date

S.N.	Name	Duration
1.	Dr.J.S Mathur	1962-1963
2	Dr. H.S. Gandhi	1963-1966
3.	Dr. S C Banerjee	1967-1974
4.	Dr B K Trivedi	1975
5.	Dr. B.C. Srivastava	1976-1977
6.	Dr. S.K. Mehrotra	1977-1980
7.	Dr. S.C. Banerjee	1980-1981
8.	Dr. G. Singh	1981-1983
9.	Dr. S.B. Dabral	1983-1995
10.	Dr. Deoki Nandan	1995-2007
11.	Dr. V P Shrotriya	2007
12.	Dr. S C Gupta	August 2007 till date

Conferences organized

1. 7th Annual conference IAPSM (UP Chapter) 9-10 March, 1991
2. Joint National Conference of IPHA, IAE & ISMOCD..... 11-13 March, 2000.

Department of Surgery

1. **Time of establishment of the Department :** Department of surgery became fully functional in the year 1941 as part of a Medical College (which initially was Medical School). The first Head of Department was Dr. S.C. Mishra.
2. **List of Heads of the Department till date :**

S. No.	Name	Period of Head ship
1.	Dr. S.C. Mishra	1941 to 1952
2.	Dr. C.B. Singh	1952 to 1955
3.	Dr. S.P. Srivastava	1956 to April 1961 Feb. 1963 to March 1966
4.	Dr. A.N. Razdan	May 1961 to Jan. 1963 April 1966 to Jan. 1972
5	Dr B D Sharma	Feb 1972 to Nov 1989
6.	Dr V.K. Mita	Dec. 1989 to Jan. 1994
7.	Dr. I.P. Elhence	Feb. 1994 to July 1996
8	Dr R K Mathur	Aug. 1996 to Aug. 2003
9.	Dr. S.D. Maurya	Sept. 2003 to Sept. 2005
10	Dr Jitendra Goyal	Sept 2005 onwards

3. **Profile of department and its achievements over the years :** It continued to grow in stature and working as a treatment center for carcinoma of cheek and jaw. This department was the first in the country where hemimandibulectomy was started by Dr. S.P. Srivastava. This was then being done in a very primitive stage of anaesthesia in which sodium pentothal drip was used as an anaesthetic agent.

Specialized Urosurgery was started by Dr. B.D. Sharma in the early 80's and Transurethral Resection of Prostate was done for BPH for the first time in U.P.





Continuous growth since then has today brought us to a level where almost all sort of Urosurgery is being performed here.

Later on this department became a specialised center for the treatment of Head and Neck Carcinoma under the guidance of Dr. B.D. Sharma, Dr. V.K. Mital and Dr. I.P. Elhence.

The Department is doing advanced urology which includes PCN., TURP Uretheroplasty, Ureteroscopy, Laparoscopic Nephrectomy and Advanced Laparoscopic Surgeries.

Specialised plastic surgery is also being done which makes this department a center for plastic and reconstructive surgeries and for the management of burn injuries with the most advanced techniques of plastic surgery, cosmetic surgery, facio - maxillary surgery external rhinoplasty, free flap transfer etc.

Neurosurgery is yet another specialized surgery being above in the department and the work has been recognized nationally and internationally.

This department also has the benefit of latest surgical gadgets. And today we are performing surgeries in all aspects of human care.

4. No. of P.G.'s passed : Number of 495 post graduate students have passed M.S. from this department.

5. No. of conferences organized (state level or above) :

1. Annual Conference of Association of Surgeons of India December 26-30, 1986
2. XVIth Annual Conference of U.P. Chapter of Association of Surgeons of India October 27-28, 1990.
3. Annual Conference of U.P. Chapter of Association of Surgeons of India 1995
4. Annual Conference of U.P. Chapter Association of Plastic Surgeons of India in collaboration with Surgeons of U.S.A. 1996.
5. International Workshop on Cosmetic Surgery done in S.N.M.C. Agra in 1996 under the banner of U.P. Chapter Association of Plastic Surgeons of India.
6. Annual Conference of Association of Plastic Surgeons of India 2000
7. International Workshop on Hypospadias & Cosmetic Surgery done in 2005 under the banner of U.P. Chapter Association of Plastic Surgeons of India.

Neurosurgery Conference

1. World Federation of Neurosurgical Societies conference on Tumours January 1993.
2. World Federation of Neurosurgical Societies conference on Posterior Fossa Tumours February 1998.
3. Indo Canadian CME-Neuro-Ortho Update January 1998
4. 11th Neuro trauma Society of India Annual Conference August 2002.
5. 56th Annual Conference of Neurological Society of India Dec, 2007.

Department of Tuberculosis and Chest Diseases

The department came into independent existence since 25.7.1987. Before 1987 it was part of the department of Medicine and Dr S.P. Nagrath was the only teaching faculty. In 1982, Prof AS Sachan became the first Head of Department. After his retirement, Prof. Rajesh Gupta became the Head.

D.T.C.D. Course was started in July 1965, which is recognized by the Medical Council of India.

M.D. course in Tuberculosis & Respiratory Diseases was started in April, 1989.

Facilities of bronchoscopy, intercostal drainage and pleural fluid aspiration are available.

Various papers have been published in the Indian Journa. of Tuberculosis and Indian Journal of Chest diseases.

Various papers have been presented in National Conferences of Chest Diseases by the Post Graduate Students and Gold Medals were awarded in 2004 and 2005.

Air Pollution Related Diseases Center (APRDC) was established in 2005 with the help of Gail (India) in which Lung Function with diffusion Lung capacity machine is available.

DOTS Center was established in 2003 in which facility of sputum microscopy and DOTS therapy are available.

Numbers of Post Graduates passed so far : M.D. - 37, D.T.C.D. - 15

One State level conference has been organized by the Department and its faculty had been invited as guest speakers at several scientific meets.





List of Faculty, SN Medical College, Agra

1. ANATOMY

Name of Teacher		Designation
1.	Dr Dharam Singh	Professor
2.	Dr. Vasundhra Kulshreshta	Professor
3.	Dr Sunitraj Mishra	Associate Professor

2. ANESTHESIA

1	Dr Surekha Saxena	Professor
2.	Dr. Aditya Kumar	Professor
3.	Dr. Uma Srivastava	Professor
4.	Dr. Trilok Chand	Associate Professor
5.	Dr. Ashish Kumar Kanojya	Lecturer

3. BIOCHEMISTRY

1.	Dr Sarvesh Yadav	Assistant Professor
----	------------------	---------------------

4 CARDIOLOGY

1.	Dr. Ajay Kumar Agarwal	Professor
----	------------------------	-----------

5. DENTISTRY

1.	Dr. S.K. Katheria	Professor
----	-------------------	-----------

6. ENT

1.	Dr. Dharmendra Kumar	Associate Professor
2.	Dr. Hitendra Kumar Singh	Lecturer

7. FORENSIC MEDICINE

1.	Dr. Ajay Agarwal	Professor
----	------------------	-----------

8. GYNECOLOGY & OBSTETRICS

1.	Dr. Arun Nagrath	Professor
2.	Dr. Saroj Singh	Professor
3.	Dr. Mukesh Chandra	Professor
4.	Dr. Richa Singh	Assistant Professor
5.	Dr. Shikha Singh	Lecturer
6.	Dr. Mukul Chandra	Medical Officer
7.	Dr. Nidhi Gupta	Medical Officer

9. MEDICINE

Name of Teacher		Designation
1.	Dr. Arun Kumar Gupta	Professor
2.	Dr P K Maheshwari	Associate Professor Neurology
3.	Dr. Balbir Singh	Associate Professor
4.	Dr. Mridul Chaturvedi	Assistant Professor
5.	Dr. Tejpal Singh	Assistant Professor
6.	Dr. Prashant Prakash	Lecturer
7.	Dr. Ashwini Kumar Nigam	Lecturer

10. OPHTHALMOLOGY

1.	Dr. D. J. Pandey	Professor
2.	Dr. S. K. Satsangi	Professor
3.	Dr. H.K. Bisht	Professor
4.	Dr. Neeraj Anand	Professor
5.	Dr. Himanshu Kumar	Lecturer
6.	Dr. Narendra Veer Singh	Medical Officer
7.	Dr. Noorjahan Sha'id	Medical Officer

11. ORTHOPEDICS

1.	Dr. K. K. Pruthi	Professor
2.	Dr R K Goyal	Professor
3.	Dr. C. P. Pal	Lecturer
4.	Dr. Harish Gupta	Lecturer

12. PATHOLOGY

1.	Dr. Kalpana Singh	Professor
2.	Dr. Atul Gupta	Professor
3.	Dr. Abha Rani	Professor
4.	Dr. Rajani Bharti	Associate Professor
5.	Dr. Anurag Gupta	Lecturer
6.	Dr. Pooja	Lecturer
7.	Dr. Garima Dandi	Lecturer
8.	Dr. Deepa Rani	Lecturer
9.	Dr. Bharti Shyam	Medical Officer



13. PEDIATRICS

1.	Dr. Rajeshwar Dayal	Professor
2.	Dr. N.C. Prajapati	Professor
3.	Dr. Ajay Kalra	Professor
4.	Dr. Meena Singh	Professor
5.	Dr. Rakesh Bhatia	Associate Professor
6.	Dr. Neeraj Kumar	Lecturer
7.	Dr. Rajesh Kumar	Lecturer
8.	Dr. R.K. Kanchan	Medical Officer

14. PHARMACOLOGY

1.	Dr. Priyamvada Sharma	Professor
2.	Dr. Govind Mohan	Associate Professor

15. PHARMACY

1.	Dr. A.K. Chaurasiya	Associate Professor
2.	Dr. A.K. Maheshwari	Associate Professor
3.	Dr. Anil Mohan	Associate Professor
4.	Sri. Pawan Kumar Gautam	Associate Professor
5.	Sri. Satya Prakash Vishnoi	Associate Professor

16. PHYSIOLOGY

1.	Dr. M.L. Arora	Medical Officer
2.	Dr. Poonam Gupta	Lecturer

17. PSYCHIATRY

1.	Dr. Kishan Chand Gurnani	Professor
2.	Dr. Vishal Sinha	Lecturer

18. RADIODIAGNOSIS

1.	Dr. Anil Kumar Gupta	Professor
2.	Dr. J.P. Kaur Gill	Professor

19. RADIOTHERAPY

1.	Dr. A. K. Arya	Associate Professor
2.	Dr. Anuj Kumar	Lecturer
3.	Dr. Surabhi Gupta	Lecturer

20. SKIN & VENEREAL DISEASES

1.	Dr. P. K. Singh	Associate Professor
----	-----------------	---------------------

21. SOCIAL AND PREVENTIVE MEDICINE

1.	Dr. S. C. Gupta	Professor
2.	Dr. Sunil Kumar Mishra	Professor
3.	Dr. A. K. Mehrotra	Professor
4.	Dr. Renu Agrawal	Lecturer
5.	Dr. Sunil Kumar Kaushal	Lecturer
6.	Dr. Anita Sharma	Medical Officer

22. SURGERY

1.	Dr. Jitendra Goyal	Professor
2.	Dr. Madhusudan Agarwal	Professor
3.	Dr. Mohan Singh	Professor
4.	Dr. Shekhar Bajpai	Associate Professor
5.	Dr. Rahul Sahay	Associate Professor
6.	Dr. Prashant Lawania	Lecturer
7.	Dr. Juhi Singh	Lecturer
8.	Dr. Richa Jalman	Lecturer
9.	Dr. Sunil Kumar Singh	Lecturer

23. TUBERCULOSIS & CHEST DISEASES

1.	Dr. Rajesh Kumar Gupta	Professor
2.	Dr. Santosh	Lecturer



Undergraduate Medical Studies

The graduate course is spread over four and half academic years divided into three phases.

Pre-clinical phase

Para-clinical phase

Clinical phase

1. Pre-clinical phase :

Duration-1 Academic year (I & II Semester)

During this period students are taught Anatomy, Physiology and Biochemistry. They are also introduced to Community Medicine. At the end of the second semester, 1st Professional University examination is held in Anatomy, Physiology and Biochemistry. On clearing all the three subjects, the students join the para-clinical phase.

2. Para Clinical Phase :

Duration - 1-1/2 Academic years (III to V Semester)

This period entails a study of Pathology, Microbiology, Pharmacology, Forensic Medicine, and all clinical subjects concurrently. It culminates in Second Professional University examination in the subject of Pathology, Microbiology, Pharmacology, Social and Preventive Medicine and Forensic Medicine

3. Clinical Phase :

Final Prof. Part-I, duration-1 academic year (V & VI Semester)

Final Prof. part-II, duration-1 academic year (VII & IX Sem)

During this period the subjects taught include Medicine, Surgery including Orthopedics, Obstetrics and Gynaecology, Ophthalmology, ENT (Oto-Rhynolaryngology), Pediatrics and Community Medicine. It culminates in final professional examinations in these Subjects.

College Working Hours 9 A.M. to 4 P.M.

 8 A.M. to 2 P.M.

 — 6 P.M. to 8 P.M.

However Lectures are scheduled from 8:00 am also.

4. Internship :

On successful completion of graduate course, every student has to undertake one year rotatory internship as per M.C.I. Norms. The student is awarded the M.B.B.S. degree on satisfactory completion of the internship.

5. Discipline and Dress :

This medical college is known for its high standard of discipline. All acts of indiscipline are dealt strictly and are punishable which may include expulsion from the hostel and / or college. Respect for seniors and concern for colleagues is a golden tradition of this institution. All students are required to put on white aprons and preferably white shirt and white trousers. All the students are required to get their names embroidered on the front pocket of their apron.

6. Library :

The Central Library is situated in front of Principal's office. All students can study in the library but books are not issued to be taken home except from the Text book bank, meant for poor students. The library working hours are from 7 A.M. to 11 P.M. on working day & 9 A.M. to 9 P.M. on Sunday and gazetted holiday and likely to be extended for 24 hrs.

7. Hostels :

There are three hostels for Under-graduate students :

1. Govind Ballabh Pant Hostel for Junior students
2. Senior Boy's hostel for senior M.B.B.S. students
3. Girl's hostel for temple students.

and two hotels for Post-graduates :

1. Post-graduate Boy's hostel
2. Post-graduate Girl's hostel

Each hostel is under administration of the Wardens.

These officers look after the maintenance of hostels and enforce discipline. All hostelers are required to be inside the hostel, latest by 9 P.M. They are required to take permission from the Warden/Asstt. Warden before they go out of station or wish to spend the night out of the hostel with their local guardian for some valid reason.

8. Mess :

The students are expected to manage their own mess in the hostel. Kitchen and dining rooms are provided. There is no staff or subsidy for the mess.

9. Fees :

The college and hostel fees is payable once a year at the time of admission to the 1st year class and then in the month of August-September every year. The names of the students may be struck off the rolls of the college for non payment of the fees payable as per the Government orders.

10. Freeship :

For economically backward students full and half freeships are available to the extent of 5% student on rolls. For this applications are to be addressed to the Principal with the income certificate of parents/guardian.

11. Financial Assistance :

Students can apply for National Scholarship to Director of Education if they have attained 75% aggregate marks in class XII.

Backward class and scheduled cast students can avail scholarship and book aid from District Harijan Samaj Kalyan Officer, Agra. Foreign Students can also apply for assistance from Government of India.

12. Book Bank :

Financially backward students can avail Book Bank facilities from the library on submitting application & Income Certificate of Parents/Guardians to Principal, S.N. Medical College, Agra

13. Attendance :

(Of Lectures / Demonstrations / Tutorials / Practicals / Clinical).

Each student has to put in a minimum of 75% attendance in aggregate in all the subjects separately with a minimum of 80% practicals / c.inics / tutorials before they become eligible to appear in University examination. The shortage of attendance is not condonable on any ground. However, shortage may be allowed to be made up by the concerned Head of the Departments during vacations etc. if possible.

14. Holidays :

The college remains closed on Sundays and on Gazetted holidays as declared by Govt. of U.P. from time to time.

15. Vacations :

The college observes Summer vacations from 16th May to 15th July every year. The Winter vacation is observed from 23rd December to 7th January. Students are allowed to avail one month vacation in each academic year which will be split as - Dusshera / Diwali-1 week, winters-1 week & summers -2 weeks. Dates of vacations will be notified by the Principal of the College. However, vacations can be cancelled if so required.

16. Sports :

The college has facilities for various Indoor and Outdoor games and the various activities are organised by Chairman, sports committee with the Sports Captains.

17. Cultural Activities :

The cultural activities including Dramatics, Music, Painting, Fine Arts etc. also form a prominent part of the activities.

Sports and cultural activities are organised by the respective societies in the last week of January every year.

18. Examination :

The aim of examinations is to assess the theoretical knowledge, practical skill and clinical acumen of the student.

(i) Professional Examinations :

The students are examined at the end of each professional Period. Thus they have 4 professional examinations. Passing marks in all the professional examination are 50%.

(ii) Terminal Examinations :

There are terminal examination conducted usually every six months which are part of internal assessment. The students are required to secure at least 35% marks in internal assessment.

Absentee students from any terminal examination are awarded zero marks except those who happen to fall ill and are either admitted to the attached S.N. Hospital or are so certified by a Clinician and countersigned by Head of the Department of the clinical subject of S.N. Medical College, Agra, or if a student happens to go out of Agra with due permission from the Principal / Warden and falls ill. This needs to be certified by the C.M.O. of the district concerned. Such students may be permitted to appear in supplementary terminal examination by the concerned Head of Department provided a written request is made by the student with illness certificate.

(iii) Day to Day Assessment :

A day to day assessment is also done on the basis of the Oral / Practical / Clinical work done by the student and is part of internal assessment. Each student is required to secure a minimum of 35% marks in internal assessment to become eligible for appearing in university examinations.

The schedule for examinations have been worked out five years in advance.

The examinations are not postponable.

19. Academic :

Honours : A Student securing 75% marks or more in any subject in the university examination is awarded honours in the subject.

Certificate of Merit (Paper) : A student securing 65% or more marks but less than 75% will be awarded proficiency in the subject.

A number of prizes and medals are awarded by the college and University to Students who distinguish themselves in various examinations.

20. Cyber Cafe :

The college is having internet services with broad band facility in Central Library building. Each student can become a member of cyber cafe by paying a nominal fee.

21. Lecture Theaters :

College has 5 Lecture theaters for the teaching purpose. Two of which are air conditioned.

LT-1 IIIrd floor of college building

LT-2 1st floor of college building

- LT-3 Ground floor of college building
- LT-4 Surgical block
- LT-5 OPD Block.
- LT-1 is also used as auditorium for cultural / institutional programmes.



22. Canteen :

College campus is having college canteen and Nescafe stall for staff and students.

23. Suggestion Box :

Students can give their valuable suggestions in suggestion box, fixed near the principal office.

24. Ragging :

In compliance of orders of Hon'ble Supreme Court ragging is not allowed in the college and hostels outside college premises. Any student found involved in ragging will be punished upto the extent of expulsion from college roll.

25. Emergency Block :

The college is having a separate Emergency Block on the main M.G. Road, equipped with various modern facilities like ICCU, Ventilator, Trauma Centre, Critical Care Unit, X Ray, Ultrasound and Pathology Unit.

Dr. Shobna Kulshreshtha
Dr. Priyamvada Sharma
Dr. Vasundhara Kulshreshtha
Dr. S.K. Misra



Our College Website

We come to the SNMC Website. The majestic picture of our college library comes into view reminding us of the rich heritage of this institution.

www.snmcgagra.in opens the Home Page of our alma mater. The home page has a user friendly layout with interactive links providing exhaustive information about our College and Hospital through approximately 150 web pages.

Under the picture of the college library are placed 3 central Radio Buttons / Links which lead you to information regarding the latest ongoing and forthcoming events of this institution.

A lower right hand corner button links you to the Alumni Registration Page

We are in the process of developing a database of any possible alumni of this institution and represent all the alumni of this college to register their details through the alumni link on the home page. A provision has also been made to allot an official Email ID / Login to all the registered alumni at a nominal cost of Rs 350/- for 5 years whereby you will have an Email address through college Website.

The remaining layout of the page is organized as follows :

On the top of the Home page are seven Horizontal links, and on the left and right margins of the page are Vertical links providing a very detailed information.

Horizontal Links :

a	b	c	d	e	f	g
About SNMC	Principal's Desk	Departments	Faculty	Alumni	Research	Achievements

About SNMC : Institutional History, Infrastructure of College & Hospital, Student capacity, Bed Strength of various departments, brief life history of Smt. Sarojini Naidu, wordings of SNMC song "Anthem".

Principal's Desk : Message from Prof. N.C. Prajapati (Principal & Dean) regarding his vision for the Institutional progress, policies for public & Hospital services and achieving excellence in clinical, research and academic activities.

Departments : Routine and specialized services available, areas of research interests.

Faculty : Updated list of Faculty members, their resume, academic & research achievements, contact information and E-mail IDs.

Alumni : List some of the oldest alumni of this college (based on availability of information) and we hope this list grows with your cooperation by registering at the Alumni page.

Research : These two pages are under updation process and intends to tabulate the various ongoing

Achievements : Research projects, thesis & research work of post graduates and their guides along with Awards, recognitions and distinctions conferred to the institution, faculty, post graduate and under graduate students.

Vertical Links (Left) :

- a. Our Institution
- b. Students Corner
- c. Right to Information
 - Manual
 - Hospital
 - College
 - Contact Numbers
 - Empowerment & Duties of Officers

Our Institution

: Details of Courses, Administration, Infrastructure, Facilities, Awards, Medical ethics, Library & Future plans.

Students Corners

: Admission process, Academic calendar, Lecture Schedules, Students activities, Exam results and notices.

Right to Information :

- **Manual** : Complete manual with details of RTI Act.
- **Hospital** : List of Gazetted officers, Administration, Nursing
- **College** : Staff, Class III & Class IV employees.
- **Contact Numbers** :
- **Empowerment & Duties of Officers** :

Vertical Links (Right) :

- | |
|-------------------------|
| d. Hospital |
| □ Facilities |
| □ Infrastructure |
| □ Administration |
| □ OPD Schedule |
| e. Useful Links |
| a. Enquiry |
| b. Tenders |
| c. News & Events |
| d. FAQs |
| f. News |
| g. Income & Expenditure |
| (Pages 1-5) |

Currently this site is under intense updation and revamping. In near future a complete Hindi version of the site shall be uploaded.

This website is indexed and available through various search engines.

Official Email Ids shall be available for all the willing registered alumni of this college.

Efforts are on to get this website hosted by the N.C server and enable links with MEDLAR.

Proposal for networking of the various departments are under consideration to provide online patient and departmental information. Initial efforts to move towards 'paperless' are on the breadboard stage.

Upon broadband networking and using the LIBSYS library management programme which is already operational in our college it would be possible to access information of various books available in our library and to check their availability for borrowing on line.

Any suggestions and information may be Emailed to us at :

drncprajapati@hotmail.com, dean@snmcagra.in
Ph. : 0562-2260353, 2251615, Fax : 0562-2260965

Prof. Mukesh Chandra
Web Master
Dept. of Obst & Gyn
S.N. Medical College, Agra
mukesh.chandra@hotmail.com

List of Principals since inception of School / College

1.	Dr. John Murray	—	1854-58
2.	Dr. G.R. Playfair	—	1858-68
3.	Maj. A. Christinson	—	1868-76
4.	Lt. Col. A.J. Hilson	—	1876-87
5.	Lt. Col. A.J. Willcocks	—	1887-97
6.	Lt. Col. C. Lukis	—	1897-99, 1902-05
7.	Lt. Col. J. Anderson	—	1899-02
8.	Maj G.T. Birdwood	—	1905-09
9.	Maj A. Huston Smith	—	1909-12
10.	Lt. Col. E.G.O. Meara	—	1912-20
11.	Lt. Col. A.W.R. Cochrane	—	1920-21
12.	Maj. M.A. Rahman	—	1921-28
13.	Lt. Col. R.C. Macwaners	—	1928-29
14.	Lt. Col. A. Cameron	—	1929-30
15.	Capt. D.P. Bhargava	—	1930-32
16.	Dr. R.S. Srivastava	—	1932-35
17.	Lt. Col. J.C. Bharucha	—	1935-41
18.	Maj. Gen. H.C. Buckley	—	1941-46
19.	Dr. G.N. Vyas	—	1946-48
20.	Dr. H.N. Bhatt	—	1948-57, 1959-60
21.	Dr. P.N. Wahi	—	1957-59, 1960-68
22.	Dr. I.J. Singh	—	1968-69
23.	Dr. T.C. Gupta	—	1969-73
24.	Dr. Nawal Kishore	—	1973-74
25.	Dr. B.B. Sharma	—	1974-77, 1979-80
26.	Dr. S.R. Kapoor	—	1977-79
27.	Dr. S.S. Mishra	—	1981-84
28.	Dr. D.N. Prasad	—	1984
29.	Dr. C.D. Gupta	—	1984-1986



SNMC

30.	Dr. V.B. Sahai	1986-90
31.	Dr. S.C. Gupta	1990-91
32.	Dr. Hari Gautam	1991-95
33.	Dr. (Smt.) V.L. Lahiri	1995-96
34.	Dr. A.S. Sachan	1997-98
35.	Dr. G.G Dhir	1998
36.	Dr. S.C. Sahu	1998-2000
37.	Dr. Ms. Veena Mishra	2000-02
38.	Dr. V.K. Jain	2002-03
39.	Dr. G.U. Qureshi	2003
40.	Dr. Deoki Nandan	2003-07
41.	Dr. V.P. Shrotriya	2007
42.	Dr. N.C. Prajapati	since 2007

—Dr. Prashant Lavania





Dr. John Murray
1854-58



Dr. G.R. Payfair
1858-68



Maj. A. Christinson
1868-76



Lt. Col. A.J. Hilson
1876-87



Lt. Col. A.J. Willcocks
1887-97



Lt. Col. C. Lukis
1897-99, 1902-05



Lt. Col. J. Anderson
1899-02



Maj G.T. Birdwood
1905-09



Maj A. Huston Smith
1909-12



Lt. Col. A.W.R. Cochrane
1920-21



Maj M.A. Rahman
1921-28



Lt. Col. R.C. Macwaners
1928-29



Lt. Col. A. Cameron
1929-30



Capt. D.P. Bhargava
1930-32



Dr. R.S. Srivastava
1932-35



Lt. Col. J.C. Bharucha
1935-41



Dr. G.N. Vyas
1946-48



Dr. H.N. Bhatt
1948-57, 1959-60



Dr. J.J. Singh
1968-69



Dr. T.C. Gupta
1969-73



Dr. Nawal Kishore
1973-74



Dr. B.B. Sharma
1974-77, 1979-80



Dr. S.R. Kapoor
1977-79



Dr. C.D. Gupta
1984-1986



List of Awards in Professional Examinations M.B.B.S. Course

1. Silver Medal for General Proficiency in the First Professional University Examination.
2. Book Prize for standing 1st in Anatomy total of marks in University Examination.
3. Book Prize for standing 1st in Physiology total of marks in University Examination.
4. Merit Medal and Certificate of honour in Physiology for obtaining a minimum of 75 percent in the 1st professional University Examination.
5. Merit Medal and Certificate of honour in Physiology for having obtained a minimum of 75 percent in the 1st professional University Examination.
6. Silver Medal for General Proficiency in 1nd professional University Examination.
7. Book prize for standing 1st in Pathology total marks in University Examination.
8. Book prize for standing 1st in Pharmacology total of marks in University Examination.
9. Book prize for standing 1st in Social & Preventive Medicine total marks in University Examination
10. Book prize for standing 1st in Forensic Medicine total of marks in the University Examination.
11. Merit Medal Certificate of honour in Pathology for having obtained a minimum of 75 percent at the 1nd professional University Examination.
12. Merit Medal and Certificate of honour in Social Preventive Medicine for having obtained a minimum of 75 percent in the 1nd professional University Examination. (To be modified)
13. Merit Medal and Certificate of honour in Pharmacology for having obtained a minimum of 75 percent in the 1nd professional University Examination.
14. Merit Medal and Certificate of honour in Forensic Medicine for having obtained a minimum of 75 percent in the 1nd Professional University Examination.
15. Silver Medal General Proficiency in Final Professional MBBS University Examination.
16. Book prize for standing 1st in Medicine in the University Examination.
17. Book prize for standing 1st in Surgery in the University Examination.
18. Book prize for standing 1st in Obst & Gynaecology in University Examination.
19. Book prize for standing 1st in Ophthalmology (Eye & ENT) In University Examination.
20. Merit Medal and Certificate of honour in Medicine for having obtained a minimum of 75 percent in the Final Professional MEBS University Examination.

21. Merit Medal and Certificate of honour in Surgery for having obtained a minimum of 75 percent in the Final professional MBBS University Examination.
22. Merit Medal and Certificate of honour in Obst. & Gynaecology for having obtained a minimum of 75 percent in the Final Professional MBBS University Examination.
23. Merit Medals and Certificate of honour in Ophthalmology (Eye and ENT) for having obtained a minimum of 75 percent in the Final Professional MBBS University.
24. Seth Matru Mal Benara Jain Gold Medal
— for Ophthalmology for standing 1st in the University Examination.
25. Dr. B.K.D. Memorial Gold Medal :
to best student in the Final Professional MBBS University Examination.
26. Buckley Bharucha Silver Medal :
— for best student in the Final Professional MBBS University Examination.
27. Rai Sahib Dr. Dekhraj Singh Silver Medal :
— For standing 1st in Ophthalmology in the Final Professional MBBS University Examination.
28. Smt. Madhuri Devi Srivastava Gold Medal :
— to the best students passing out the final MBBS examination.
29. Shiv Narain Memorial Gold Medal :
for obtaining highest Mark in Medicine total of All semester in Medicine and the Final Professional MBBS University Examination.
30. Laxmi Ram Pandey - Silver Medal :
for standing 1st in Medicine in the Final Professional MBBS University Examination.
31. Buckley - Gold Medal :
— for the best result in the Final MBBS Part II Ind. University Examination.
32. Wazir Singh Sarin Gold Medal :
— for the best student in Anatomy, 1st Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University.
33. Dr. Sarda Prasad Srivastava Gold Medal :
for obtaining highest marks in Surgery at the Final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University.
34. Agra Rotary Club Gold Medal :
— for the best student of last four Professional MBBS examination of Dr. B.R.A University.



35. Dr. P.C. Pant Gold Medal: for obtaining highest marks in final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University in Medicine.
36. Prof. P.N. Wahi, Gold Medal: for obtaining highest marks in IIInd Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University in Pathology and Bacteriology.
37. Dr. J.P. Rawat Memorial Gold Medal: — for obtaining the highest marks in Final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University in Obst. and Gynaecology.
38. Kaushla Nand Sahai Silver Medal: for obtaining highest marks in Final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University in Ophthalmology and E.N.T.
39. Smt. Wazir Singh Sarin Silver Medal: for obtaining Highest marks in Final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University in Obst. and Gynaecology.
40. Kehar Singh Choke Award: — for obtaining highest marks in Final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University.
41. Dr. Jitendra Nath Hazra Gold Medal: for obtaining highest marks in 10 subjects of Professional MBBS examination, if there is more than one student this will be awarded to the highest marks obtained in Final Professional Dr. B.R.A. University examination.
42. Dr. Tuki Ram Elhence Gold Medal: — for obtaining highest marks in Medicine/Surgery Final MBBS Professional examination of Dr. B.R.A. University.
43. Dr. Tuki Ram Elhence Silver Medal: for obtaining highest marks in Obstetrics and Gynaecology in Final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University.
44. Dr. Balendra Kishore Trivedi Gold Medal: — for obtaining highest marks in Social and Preventive Medicine in II Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University.
45. Km. Armita Singhal Memorial Gold Medal: for obtaining highest marks in total of 1st professional, 11th professional and Final Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University by girl candidate.



SNMC

46. **Ravi Chandra Tiwari Memorial Gold Medal:**
for obtaining the highest marks in 1st Professional MBBS examination of Dr.B.R.A. University
47. **Anilendra Varhney Memorial Gold Medal:**
— for obtaining the highest marks in Pharmacology in 1st Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University.
48. **Dr. R.K. Sharma Memorial Gold Medal:**
— for securing highest marks in biochemistry in the 1st Professional MBBS examination of Dr. B.R.A. University.
49. **Dr. S.P. Srivastava Gold Medal:**
— for obtaining the highest position in M.S. (Surgery) every year.
50. A scholarship of Rs. 500/- each for one student in each of IIIrd year and VIth year classes after 1st & IInd Professional examination will be awarded to students whose guardian's salary is below Rs. 1000/-
51. Akhil Bharatiya Mahila Parishad Agra Branch (Gold) Medal for obtaining highest marks in M.B.B.S. final professional by women candidates.
52. Smt. Tulsia Devi memorial (Gold) Medal - for obtaining highest marks in medicine and Surgery in final professional M.B.B.S. exam of Agra University.
53. Sri Brij Nandan Chobey memorial (Gold) Medal for obtaining highest marks in practical exam of medicine in final professional M.B.B.S. exam of Agra University.
54. Pawan Garg (Gold) Medal - for obtaining highest marks in theory exam of medicine in final professional M.B.B.S. exam of Agra University.
55. Prof. Sukhvir Prasad Jain & Smt. Shakuntala Jain (Gold) medal for obtaining highest marks in final professional M.B.B.S. exam of Agra University.

—Dr. R.K. Goyal

Emergency Department



Photographs of Faculty, SN Medical College, Agra

ANATOMY



Dr. Dharam Singh

ANATOMY



Dr. V. K. Shreshtha

ANESTHESIA



Dr. Surekha Saxena

ANESTHESIA



Dr. Aditya Kumar

ANESTHESIA



Dr. Uma Srivastava

ANESTHESIA



Dr. Trilok Chand

ANESTHESIA



Dr. A.K. Kanoojiya

BIOCHEMISTRY



Dr. Sarvesh Yadav

CARDIOLOGY



Dr. A.K. Agarwal

DENTISTRY



Dr. S.K. Katheria

ENT



Dr. Dharmendra Kumar

ENT



Dr. H.P. Singh

FORENSIC MEDICINE



Dr. Ajay Agarwal

GYNAE. & OBSTETRICS



Dr. Arun Nagrath

GYNAE. & OBSTETRICS



Dr. Saroj Singh

GYNAE. & OBSTETRICS



Dr. Mukesh Chandra

GYNAE. & OBSTETRICS



Dr. Richa Singh

GYNAE. & OBSTETRICS



Dr. Shikha Singh

MEDICINE



Dr. Arun Kumar Gupta

MEDICINE



Dr. P.K. Maheshwaran

MEDICINE



Dr. Balbir Singh

MEDICINE



Dr. Mridul Chaturvedi

MEDICINE



Dr. Tejpal Singh

MEDICINE



Dr. Prashant Prakash

MEDICINE



Dr. A.K. Nigam



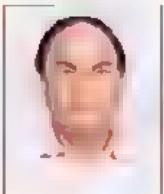
Photographs of Faculty, SN Medical College, Agra

MICROBIOLOGY



Dr. Ankur Goyal

OPHTHALMOLOGY



Dr. D.J. Pandey

OPHTHALMOLOGY



Dr. S.K. Satsangi

OPHTHALMOLOGY



Dr. H.K. Bisht

OPHTHALMOLOGY



Dr. Neeraj Anand

OPHTHALMOLOGY



Dr. Himanshu Kumar

ORTHOPEDICS



Dr. K.K. Pruthi

ORTHOPEDICS



Dr. R.K. Goyal

ORTHOPEDICS



Dr. C.P. Pal

ORTHOPEDICS



Dr. Harish Ghosh

PATHOLOGY



Dr. Kalpana Singh

PATHOLOGY



Dr. Atul Gupta

PATHOLOGY



Dr. Rajani Bharti

PATHOLOGY



Dr. Anurag Gupta

PATHOLOGY



Dr. Pooja Agarwal

PATHOLOGY



Dr. Garima Dundi

PATHOLOGY



Dr. Deepa Rani

PEDIATRICS



Dr. Rajeshwar Dayal

PEDIATRICS



Dr. N.C. Prajapati

PEDIATRICS



Dr. Ajay Kalra

PEDIATRICS



Dr. Meena Singh

PEDIATRICS



Dr. Rakesh Bhatta

PEDIATRICS



Dr. Neeraj Kumar

PEDIATRICS



Dr. Rajesh Kumar

PHARMACOLOGY



Dr. Priyamvada Sharma

Photographs of Faculty, SN Medical College, Agra



Dr. Govind Mohan Dr. A.K. Chaurasia Dr. A.K. Maheshwari Dr. Anil Mohan Dr. Pawan Gautam Dr. S.P. Vishnoi Dr. M.L. Arora



Dr. Poonam Gupta Dr. K.C. Gurmani Dr. Vishal Sinha Dr. A.K. Gupta Dr. (Mrs.) J.P.K. Gill Dr. A.K. Arya



Dr. Arun Kumar Dr. Surabhi Gupta Dr. P.K. Singh Dr. S.C. Gupta Dr. S.K. Mishra Dr. A.K. Mehrotra



Dr. Renu Agrawal Dr. S.K. Kaushal Dr. Jitendra Goyal Dr. M. Agarwal Dr. Mohan Singh Dr. Shekhar Bajpai



Dr. Rahul Sahay Dr. P. Lawania Dr. Juhi Singhal Dr. Richa Jainman Dr. R.K. Gupta Dr. Santosh Kumar



Department of Microbiology

The department of microbiology of S.N. Medical College started as a separate department in September 1987 with one Professor and one technician. Dr. B. M. Agrawal headed the department for around 19 years. Several students have been awarded PhD degree during this period.

In August 2006, Dr. Atul Gupta, Professor in pathology took over charge as head of department. In July 2008, Dr. Ankur Goyal joined the department as lecturer. The department is providing services in diagnostics (like bacteriology, parasitology, mycology, mycobacteriology, virology and molecular biology), teaching and research with the ultimate goal of providing quality services in the field of infectious diseases in health care setting. Very soon CD, count & PCR is also going to start.

24. DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY

	Name of Teacher	Designation
1.	Dr. Ankur Goyal	Lecturer

Photographs of Ex-Principals, SN Medical College, Agra

(In addition to those given on page no. 61)



Dr. V.B. Sahai
1986-90



Dr. S.C. Gupta
1990-91



Dr. Hari Gautam
1991-95



Dr. (Smt.) V.L. Lahiri
1995-96



Dr. A.S. Sachan
1997-98



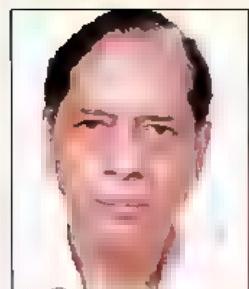
Dr. G.G. Dhir
1998



Dr. S.C. Sahu
1998-2000



Dr. Ms. Veena Mishra
2000-02



Dr. V.K. Jain
2002-03



Dr. G.J. Qureshi
2003



Dr. Deoki Nandan
2003-07



Dr. V.P. Shrotriya
2007



Photographs of Ex-Heads, SN Medical College, Agra

ANATOMY	ANATOMY	ANATOMY	ANATOMY	ANESTHESIA	BIOCHEMISTRY	BIOCHEMISTRY	CARDIOLOGY
Dr. G.N. Kacker	Dr. C.D. Gupta	Dr. A.K. Arora	Dr. A.K. Agarwal	Dr. B.L. Gupta	Dr. M.C. Pant	Dr. R.S. Baghel	Dr. V.K. Jain
CARDIOLOGY	CARDIOTHOR SURG	CARDIOTHOR. SURGERY	DENT STRY	ENT	ENT	ENT	FORENSIC MEDICINE
Dr. A.K. Agarwal	Dr. R.K. Tandon	Dr. R.S. Chauhan	Prof. M.C. Srivastava	Dr. U.C. Misra	Dr. Murari Lal	Dr. R.S. Gill	Dr. G.U. Qureshi
GYN. & OBST.	GYN. & OBST.	GYN. & OBST.	GYN. & OBST.	GYN. & OBST.	GYN. & OBST.	MEDICINE	MEDICINE
Dr. Maj. J.E.R. Hegdekar	Prof. A.D. Engineer	Prof. N. Kishore	Prof. R. Chandra	Prof. K. Gupta	Prof. Y. Mathur	Dr. G.N. Yyes	Dr. H.N. Gaur
MEDICINE	MEDICINE	MEDICINE	MEDICINE	MEDICINE	MEDICINE	MEDICINE	MEDICINE
Dr. K.S. Mathur	Dr. M.P. Mehrotra	Dr. Ram Singh	Dr. P.K. Waha	Dr. M.C. Gupta	Dr. N.L. Patney	Dr. D.K. Hazra	Dr. M.M. Singh
Dr. S.K. Sharma							
MEDICINE	MICROBIOLOGY	OPHTHALMOLOGY	OPHTHALMOLOGY	OPHTHALMOLOGY	OPHTHALMOLOGY	OPHTHALMOLOGY	OPHTHALMOLOGY
Dr. M.L. Pursani	Dr. B.M. Agarwal	Dr. K.N. Mathur	Dr. P. Awasthi	Dr. Y.P. Singh	Dr. N.N. Agarwal	Dr. A.K. Sood	Dr. Veena Nishra
OPHTHALMOLOGY	ORTHOPAEDICS	ORTHOPAEDICS	ORTHOPAEDICS	ORTHOPAEDICS	PATHOLOGY	PATHOLOGY	PATHOLOGY
Dr. R.D. Sharma	Dr. O.N. Vyas	Dr. K.P. Srivastava	Dr. S.C. Sahu	Dr. Harish Chandra	Dr. P.H. Wahi	Dr. Usha K. Luthra	Dr. B. Joshi

Photographs of Ex-Heads, SN Medical College, Agra



These photos have come as a later thought. We might have missed some of those who have been Heads/Principals. We hope they will be magnanimous to forgive us for this.

—Editors



Public Private Partnership Projects



**Post Mortem House
with
Kshetriya Bajaja Committee**

**Govindam Jalpan Grah
with
Sankalp Charitable Trust**



**'102' Ambulance Services
with
Help Agra**

Principal Residence & Camp Office



Opp. Imperial Hotel, M. G. Road, Agra



1854
SNMC

SAROJINI NAIDU MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, AGRA

website : www.snmcagra.in

E-mail : drncprajapati@hotmail.com

Phone : 0562-2260353, 2251615

Fax : 0562-2260965

Designed & Printed at

Shubham Media Publication
3/26-A, Jain Bhawan, M.G. Road, Collacente, Agra (INDIA)
Phone : + 91 562 2486515; Mobile : + 91 9837819977
e-mail : shubhammedia@easy.com